मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 37
अंक : 68
भोपाल, शुक्रवार
24 अप्रैल 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

03 माताओं -बहनों को सर्वोपरि रखने की है हमारी संस्कृति.......

अद्वीथ रेयांश, दीविना व लावण्या अंतिम चार में 06

पहले चरण में बंपर वोटिंग...अमित शाह ने 110 सीटें जीतने का किया दावा

कहा-बंगाल से दीदी जाने वाली हैं, महिलाओं की सुरक्षा, हमारी प्राथमिकता

बंगाल में शाह बोले- भय जाने वाला है, भरोसा आने वाला है

कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का सियासी माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। पहले चरण में हुए रिकॉर्ड मतदान ने जहां चुनावी मुकाबले को नया मोड़ दिया है, वहीं अब सभी राजनीतिक दल दूसरे चरण की तैयारी में पूरी ताकत झोंकते नजर आ रहे हैं। 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण से पहले राजधानी कोलकाता में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

इसी बीच शुक्रवार को भाजपा के शीर्ष नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में प्रेस वार्ता किया, इस दौरान उन्होंने बंगाल चुनाव के लिए पहले चरण में हुए रिकॉड मतदान के लिए राज्य की जनता का धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि बंगाल की जनता ने परिवर्तन के लिए वोट किया है। उन्होंने पहले चरण में हुए रिकॉर्ड मतदान के लिए बंगाल की जनता को बधाई दिया। अमित शाह ने कहा कि कल के मतदान में बंगाल की जनता ने परिवर्तन के लिए वोट दिया, जिसके लिए मैं उनका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि इस बार राज्य में चुनाव बेहद शांतिपूर्ण तरीके से हुए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

चुनाव आयोग को कहा धन्यवाद: प्रेस वार्ता के दौरान अमित शाह ने आगे चुनाव आयोग की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह चुनाव आयोग की पूरी टीम, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, चुनाव प्रक्रिया में जुड़े सभी अधिकारियों और पश्चिम बंगाल पुलिस को बधाई देते हैं। उन्होंने बताया कि लंबे समय बाद ऐसा चुनाव हुआ है जिसमें किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई। शाह के अनुसार, यह अपने आप में एक चमत्कार जैसा है कि इतनी शांत और सुरक्षित तरीके से मतदान संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि यह चुनाव व्यवस्था और सुरक्षा एजेंसियों के बेहतर तालमेल का परिणाम है, जिसने मतदान को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने में अहम भूमिका निभाई।

बंगाल में अफवाह फैला रही दीदी- शाह: अमित शाह ने कहा कि बंगाल की मुख्यमंत्री यह अफवाह फैला रही हैं कि अगर बंगाल में भाजपा आई तो बाहरी लोग शासन करेंगे, मैं दीदी को बताना चाहता हूं कि बंगाल का अगला मुख्यमंत्री बंगाल में जन्मा, बंगाली मीडियम में पढ़ा-लिखा और बंगाली भाषी होगा। वह आपका भतीजा नहीं भाजपा का कार्यकर्ता होगा।

शाह ने इन आंकड़ों का किया जिक्र: चुनाव में हिंसा के आंकड़ों का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि पिछले चुनावों की तुलना में इस बार स्थिति काफी बेहतर रही है। उन्होंने बताया कि 2016 में 1278 लोग घायल हुए थे, 2021 में 1681, 2023 के पंचायत चुनाव में 664 और 2024 के लोकसभा चुनाव में 761 लोग घायल हुए थे। इसके मुकाबले इस बार पहले चरण में 30 से कम लोग घायल हुए और किसी की मौत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि इस बार चुनाव ज्यादा शांतिपूर्ण तरीके से हुआ है। अमित शाह के अनुसार, बढ़ा हुआ मतदान यह संकेत देता है कि लोग बदलाव चाहते हैं और यह वोट भाजपा सरकार बनाने की दिशा में मजबूत संकेत है।

बंगाल के लोगों ने अपने भविष्य का फैसला कर लिया

शाह ने कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद जो फीडबैक मिला है, उसके अनुसार बंगाल के लोगों ने अपने भविष्य का फैसला कर लिया है। अमित शाह ने बताया कि 16 जिलों की 52 सीटों पर हुए मतदान में करीब 92.98 प्रतिशत वोटिंग हुई है, जिसे उन्होंने ऐतिहासिक बताया। उन्होंने दावा किया कि इस भारी मतदान से यह संकेत मिलता है कि राज्य में बदलाव की लहर चल रही है। शाह ने यह भी कहा कि पार्टी की आंतरिक समीक्षा के अनुसार आने वाले चुनावी परिणामों में बड़ी जीत की संभावना है। उन्होंने दावा किया कि कुल 152 सीटों में से भाजपा 110 से ज्यादा सीटें जीत सकती है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे चरण के बाद पश्चिम बंगाल में पूरी तरह से भाजपा की सरकार बनने की संभावना है। शाह के अनुसार, यह चुनाव जनता के भरोसे और बदलाव की इच्छा को दर्शाता है और आने वाले समय में राज्य में नई राजनीतिक दिशा देखने को मिल सकती है।

सीएम ममता का भाजपा पर तीखा वार

बंगाल जीतने के बाद दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा पर हमला किया। उन्होंने कहा कि मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं बंगाल में ही मरूंगी। बंगाल जीतने के बाद, मैं दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा 'भाजपा के लिए काम करने वाले सभी लोगों के नाम सूचीबद्ध हैं। आपने भाजपा पृष्ठभूमि के आधार पर लोगों को लाया है और उसी के अनुसार अधिकारियों की नियुक्ति की है। याद रखिए, आप हमें हराने की क्षमता नहीं रखते। हम अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं, हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं। मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं बंगाल में ही मरूंगी। बंगाल जीतने के बाद, मैं दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी। मुझे सत्ता नहीं चाहिए, मुझे दिल्ली में भाजपा का विनाश चाहिए, न केवल बंगाल में विनाश होगा, बल्कि भाजपा को दिल्ली से भी हटाना होगा।

बंगाल की धरती ने विकास को चुना

अमित शाह ने कहा कि कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और खुदीराम बोस की धरती ने विकास को चुना है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो विकास यात्रा चल रही है, उससे अब पश्चिम बंगाल भी जुड़ने जा रहा है। शाह ने कहा कि दीदी जा रही हैं और भाजपा आ रही है, डर खत्म हो रहा है और भरोसा बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 152 सीटों में से भाजपा 110 से ज्यादा सीटें जीत सकती है और दूसरे चरण के बाद राज्य में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा सरकार बनेगी।

हुगली में नौका विहार करते हुए साझा की तस्वीरें

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-गंगा बंगाल की आत्मा में बहती है

हर बंगाली के मन में गंगा की खास जगह

कोलकाता ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह कोलकाता में हुगली नदी में नौका विहार किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें भी साझा की हैं। इन तस्वीरों के साथ पीएम मोदी ने लिखा, हुगली की कुछ और झलकियां। इस महान नदी में नौका विहार के दौरान मैंने फोटोग्राफी में भी हाथ आजमाया। साथ ही विद्यासागर सेतु और हावड़ा ब्रिज को भी नजदीकी से कैमरे में कैद किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर नौका विहार की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, हर बंगाली के मन में गंगा की खास जगह है। कह सकते हैं कि गंगा बंगाल की आत्मा में बहती है। इसका पवित्र जल अपने साथ एक पूरी सभ्यता लेकर बहता है।

आज सुबह कोलकाता में मैंने कुछ समय हुगली नदी के किनारे बिताया। ये एक अवसर था मां गंगा के प्रति आभार जताने का। साथ ही ये अवसर थाना नाविकों से मिलने का भी, जो मेहनती होते हैं और सुबह की सैर पर निकले लोगों से भी मुलाकात हुई। हुगली नदी के तट पर, हमने पश्चिम बंगाल के विकास और महान बंगाली जनता की समृद्धि के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। बीती शाम प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता में हावड़ा पर एक रोडशो भी किया, जिसमें लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। सोशल मीडिया पर रोड शो की तस्वीरें साझा करते हुए पीएम मोदी ने लिखा कि हावड़ा रोड शो को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह रोड शो जो हावड़ा ब्रिज से होते हुए कोलकाता में खत्म हुआ, वह बंगाल के हर कोने में बदलाव की इच्छा को जाहिर करता है।

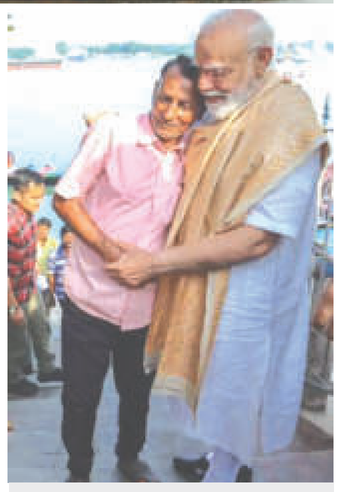

बंगाल में जनता ने परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है

पश्चिम बंगाल के पानिहाटी में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल और तमिलनाडु के लोगों को बंपर वोटिंग के लिए बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जनता ने परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है। दूसरी चरण में विजय ध्वज फहराना है। प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए कहा कि टीएमसी ने लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था। पहले चरण में बंगाल की जनता ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निर्माण कर दिया है।

26 को भोपाल आएंगे ईरानी सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि

भोपाल। अमेरिका- ईरान युद्ध के बीच ईरानी सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि भोपाल आ रहे हैं। इसकी खासी चर्चा है। ये ईरानी प्रतिनिधि राजधानी में आयोजित इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन जलसा में शिकरत करेंगे। ये भोपाल से दुनियाभर को मुस्लिम समाज की एकता और भाईचारे का संदेश देंगे। जलसे का आयोजन 26 अप्रैल को दोपहर 1:50 बजे से 3 बजे तक होगा। कार्यक्रम में विभिन्न मसालक के उलेमा एक मंच पर एकसाथ नजर आएंगे।

इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन जलसा में होंगे शामिल

अंतर्मना उवाच

ज़िंदगी की बैंक में जब प्रेम और अपनत्व का बैलेंस कम हो जाता है.. तो मन की शांति और चेहरे की प्रसन्नता के चेक बाउंस होने लगते हैं..!

*इसलिए रिश्तों में अपनों के साथ अपनापन बनाए रखें और प्रेम का मधुर स्वाद बाँटते रहें। क्योंकि **रिश्ते निभाते समय मुकाबला नहीं किया जाता, उन्हें महसूस किया जाता है।***

परतापुर जिला बांसबाड़ा, राजस्थान। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज की दीक्षा स्थली परतापुर, अंतर्मना यहां ससंघ विराजमान है।

आपने ध्यान दिया होगा *– अक्सर महिलाओं की प्रवृत्ति अपनी परेशानियों को व्यक्त करके मन हल्का करने की होती है, जबकि पुरुष का मन समाधान खोजने में लग जाता है। इसलिए जब भी रिश्तों में अपनों की बात सुनें, तो सिर्फ ध्यान से सुनें, बीच-बीच में 'हाँ', 'हूँ' जैसे संकेत देते रहें, और कभी-कभी छोटे-छोटे वाक्यों से यह जताएँ कि आप समझ रहे हैं। **हर बात का तुरंत समाधान देने की आवश्यकता नहीं होती,** क्योंकि कई बार सामने वाला समाधान नहीं, समझ और साथ चाहता है।*

सब बातों का सार यही है –

चाहे रिश्ते घर-परिवार के हों, पति-पत्नी के हों, भाई-बहन, मित्र, गुरु-शिष्य या भक्त-भगवान के हों..

रिश्तों की सफलता सही साथी चुनने से नहीं, बल्कि स्वयं अच्छा साथी बनने से होती है...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को झटका

गौहाटी हाईकोर्ट ने खारिज की अग्रिम जमानत याचिका

गुवाहाटी ■ एजेंसी

गौहाटी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के संबंध में दाखिल की गई थी। पवन खेड़ा की ओर से एफआईआर में लगाए गए आरोपों के आधार पर गिरफ्तारी से बचाव के लिए अग्रिम जमानत की मांग की थी, जिसे अदालत ने स्वीकार नहीं किया। दरअसल, पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास एक से ज्यादा पासपोर्ट हैं। इसी बयान के बाद उनके खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इस एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराएं लगाई गई हैं, जिनमें चुनाव से जुड़े गलत बयान, धोखाधड़ी, जालसाजी, मानहानि और शांति भंग करने जैसे आरोप शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

मतदाता सूची से 65 चुनाव अधिकारियों के नाम कटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। चुनाव ड्यूटी पर तैनात 65 अधिकारियों के नाम ही मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इससे नाराज इन अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दरअसल, चुनाव आयोग के आदेश पर बंगाल में एसआईआर किया गया था। इसमें 90.8 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। चुनाव संपन्न कराने वाले 65 अधिकारियों के नाम भी इस सूची से गायब हैं। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि ये जो लोग चुनाव करवा रहे हैं, वही वोट नहीं डाल पाएंगे। यह मनमाना फैसला है।

ट्रंप के विवादित पोस्ट पर ईरान ने कसा तंज

कभी भारत आकर देखो, फिर बोलना पर्यटन से जुड़ा एक वीडियो साझा किया

मुंबई ■ एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद बड़ा कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। ट्रंप ने एक पोस्ट साझा किया था जिसमें भारत और चीन जैसे देशों को नरक जैसे देश कहा गया था और अमेरिका की नागरिकता नीति में बदलाव की मांग की गई थी। इस बयान के बाद ईरान ने ट्रंप पर तंज कसा है। भारत के मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महाराष्ट्र की संस्कृति और पर्यटन से जुड़ा एक वीडियो साझा किया और कहा कि ट्रंप को यहां की यात्रा सांस्कृतिक डिटॉक्स की तरह करनी चाहिए। पोस्ट में लिखा गया कि शायद किसी को ट्रंप के लिए एक वन-वे कल्चरल डिटॉक्स बुक कर देना चाहिए, जिससे उनका बिना मतलब का बयानबाजी कम हो सके। साथ ही लिखा गया कि कभी भारत आकर देखो, फिर बोलना। बता दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब ट्रंप ने अमेरिकी टिप्पणीकार माइकल सैवेज के एक पॉडकास्ट को रीपोस्ट किया, जिसमें भारत और चीन जैसे देशों के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इसमें आरोप लगाया गया कि इन देशों से लोग अमेरिका आकर बच्चे पैदा कर लेते हैं ताकि उन्हें नागरिकता मिल जाए।

भारत ने भी दिया था करारा जवाब : बता दें कि इससे पहले भारत ने भी ट्रंप के इस पोस्ट पर करारा जवाब दिया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे गलत जानकारी, अनुचित और खराब स्वाद वाला बयान बताया। मंत्रालय ने कहा कि यह टिप्पणी भारत-अमेरिका रिश्तों की वास्तविकता को नहीं दर्शाती, जो आपसी सम्मान और सहयोग पर आधारित हैं। बाद में स्थिति को संभालने के लिए अमेरिकी दूतावास ने सफाई देते हुए कहा कि ट्रंप भारत को एक महान देश मानते हैं और वहां के नेतृत्व को अपना अच्छा मित्र समझते हैं।

होर्मुज तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को जोरदार तेजी दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, सप्लाई बाधित होने की आशंका और होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी अनिश्चितता के कारण वैश्विक बाजार में तेल करीब दो प्रतिशत तक चढ़ गया। अमेरिका की ओर से एकतरफा युद्धविराम घोषणा के बावजूद निवेशकों की चिंता कम नहीं हुई और बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा। वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब 2 प्रतिशत बढ़कर 107 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट भी लगभग दो प्रतिशत की तेजी के साथ 97.6 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। घरेलू वायदा बाजार एमसीक्स पर कच्चा तेल हालांकि दबाव में रहा और करीब 1 प्रतिशत यानी लगभग 100 रुपये टूटकर 9,077 रुपये प्रति बैरल पर कारोबार करता नजर आया।

रिपोर्ट में खुलासा: ईरानी नेता मोजतबा खामेनेई की हालत गंभीर

चेहरे और अन्य अंगों की हुई सर्जरी, कृत्रिम अंगों की पड़ सकती है जरूरत

नईदिल्ली ■ एजेंसी

ईरान की राजनीतिक स्थिति को लेकर सामने आई एक नई रिपोर्ट ने देश की शासन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई कई बड़ी सर्जरी से गुजर रहे हैं और उनकी हालत इतनी गंभीर है कि भविष्य में उन्हें कृत्रिम अंग की भी जरूरत पड़ सकती है। इस वजह से ईरान के प्रशासनिक और राजनीतिक नियंत्रण में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, मोजतबा दिखाई नहीं दिए हैं और उनकी कोई आवाज या वीडियो भी सामने नहीं आया है। उनकी अनुपस्थिति में ईरान के सबसे शक्तिशाली सैन्य संगठन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के वरिष्ठ अधिकारियों का प्रभाव तेजी से बढ़ गया है। ये अधिकारी अब देश की सुरक्षा नीति, युद्ध रणनीति और विदेश नीति से जुड़े अहम फैसले ले रहे हैं। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मोजतबा खामेनेई की भूमिका अब पहले जैसी निर्णायक नहीं रही है। वे अधिकतर मामलों में केवल निगरानी करने वाली स्थिति में हैं, जबकि वास्तविक निर्णय सैन्य नेतृत्व द्वारा लिए जा रहे हैं।

खामेनेई ने अपने पिता अली खामेनेई के बाद सत्ता संभाली थी, लेकिन गंभीर चोटों और लगातार सर्जरी के कारण वे सक्रिय रूप से शासन नहीं संभाल पा रहे हैं। लंबे समय से वे सार्वजनिक रूप से

फरवरी में हवाई हमले में गंभीर रूप से हुए थे घायल

रिपोर्ट में बताया गया है कि फरवरी में हुए एक हवाई हमले के बाद उनकी हालत और गंभीर हो गई। इस हमले में उनके परिवार के कुछ सदस्य भी मारे गए थे और मोजतबा खुद भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद से उन्हें एक गुप्त स्थान पर रखा गया है, जहां डॉक्टरों की टीम लगातार उनका इलाज कर रही है।

ग्वालियर में स्वास्थ्य विभाग का बड़ा एक्शन

16 नर्सिंग होम के लाइसेंस निरस्त

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में स्वास्थ्य विभाग ने नर्सिंग होम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ग्वालियर सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने तय समय सीमा में रजिस्ट्रेशन रिन्युअल न कराने पर 16 नर्सिंग होम के लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। विभाग ने इन नर्सिंग होम संचालकों को पूर्व में नोटिस जारी कर चेतावनी दी थी, लेकिन नोटिस का कोई जबाव नहीं मिलने पर यह कार्रवाई की गई। यहां बता दें, इन नर्सिंग होम को 12 दिसम्बर 2025, 25 दिसम्बर 2025 और 2026 में नोटिस जारी किए थे। इनमें कल्याण जी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ग्राम बझेरा टेकनपुर, वाईएसएम अस्पताल गुप्तेश्वर के पास मंदिर, तिघरा रोड, आशा देवी मेमोरियल अस्पताल स्टोन पार्क, मोतीझील, राम कृष्णा अस्पताल साडा, केयर एंड क्योर हॉस्पिटल ब्लॉक नंबर 28, काउंटर मेगनेट सिटी, लीला मल्टी स्पेशलिटी अस्पता, प्राइम केयर एंड क्योर हॉस्पिटल, पीतांबरा माता नर्सिंग होम मदनपुरा, मयूर नर्सिंग होम आदि शामिल हैं।

नहर विभाग ने बाईपास रोड के पास से 12 अतिक्रमणकारियों को हटाया

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के नंदरवाड़ा बाईपास रोड पर गुरुवार दोपहर नहर विभाग की जमीन पर अतिक्रमण कर जुग्झोपड़ी बनाकर रह रहे 10 से 12 परिवारों के द्वारा किया गया अतिक्रमण के विरुद्ध नहर विभाग ने अतिक्रमण हटाओ मुहिम चला कर नहर की जमीन से अतिक्रमण हटाया गया । यहां पर लोगों ने झोपड़ी बनाकर रह रहे थे नहर विभाग के कर्मचारियों ने गुरुवार दोपहर को जेसीबी की मदद से झोपड़ियां तोड़ दी। इस दौरान झोपड़ी में रहने वाले नागरिकों ने बताया कि नहर विभाग की टीम गुरुवार दोपहर को अचानक जेसीबी लेकर पहुंची और तोड़फोड़ शुरू कर दी। परिवारों का आरोप है कि विभाग ने बहुत पहले नोटिस दिया था। वे खुद ही झोपड़ी खाली कर समान समेट रहे थे, लेकिन अधिकारियों ने समय नहीं दिया। जल्दबाजी में घर के साथ घरेलू सामान भी तोड़ दिया गया।

एक पीड़ित महिला ने कहा कि, 'हम मजदूरी कर बच्चों को पाल रहे हैं। नोटिस के बाद सामान समेट रहे थे, पर अधिकारियों ने एक न सुनी। अब मकान और सामान सब तोड़ दिया है। अब खुले आसमान के नीचे हैं, कहां जाएं। वहीं इस मामले में नहर विभाग के अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि बाईपास स्थित नहर की जमीन पर अवैध कब्जा था। विभाग तीन बार नोटिस दे चुका है। बार-बार चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गुरुवार को कार्रवाई की गई।

उज्जैन में आज धूमधाम से मनाई जाएगी मां बगलामुखी की जयंती, 251 बटुक करेंगे महायज्ञ

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन में आज मां बगलामुखी जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। दांडी आश्रम स्थित धाम में 251 बटुकों द्वारा विशेष पूजन और महायज्ञ होगा। श्रद्धालु पीले वस्त्र व पुष्प अर्पित कर शत्रु बाधाओं से मुक्ति की कामना करेंगे।

दस महाविद्याओं में आठवीं महाविद्या और स्तंभन शक्ति की अधिष्ठात्री देवी मां बगलामुखी की जयंती 24 अप्रैल यानी आज शुक्रवार को श्रद्धाभाव के साथ मनाई जाएगी। रामघाट से सीधे वड़नगर रोड स्थित दांडी आश्रम के सामने बने माता बगलामुखी धाम में यह आयोजन तपोनिधि संत स्वामी विजयानंद पुरी महाराज के सानिध्य में होगा।

स्वामी विजयानंद पुरी महाराज ने बताया कि वैशाख शुक्ल पक्ष की अष्टमी, 24 अप्रैल 2026, शुक्रवार यानी आज धार्मिक नगरी उज्जैन में मां बगलामुखी का प्राकट्य उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। यह बाबा महाकाल की नगरी है, इसलिए आयोजन की सफलता के लिए बाबा महाकाल के दर्शन कर उन्हें निमंत्रण अर्पित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस उत्सव के मुख्य अतिथि के रूप में महाकाल मंदिर के महानिर्वाणी अखाड़े के गादीपति विनीत गिरी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस दिन पुष्य नक्षत्र का विशेष संयोग भी बन रहा है। इसी कारण मंदिर में 251 बटुकों द्वारा माता का विशेष पूजन-अर्चन किया जाएगा तथा शाबर मंत्रों के साथ महायज्ञ संपन्न होगा। मां बगलामुखी को पीला रंग अत्यंत प्रिय है, इसलिए मंदिर की सजावट भी पीले रंग में की जाएगी और माता को पीले वस्त्र व पुष्प अर्पित किए जाएंगे। प्रयास रहेगा कि अर्पित की जाने वाली सभी सामग्री पीले रंग की ही हो। मान्यता है कि इस दिन मां बगलामुखी की पूजा करने से शत्रु बाधाओं से मुक्ति मिलती है और जीवन में विजय प्राप्त होती है। विधि-विधान से पूजा, हवन और मंत्र जाप करने से नकारात्मक शक्तियों, तंत्र-मंत्र और बुरी नजर का प्रभाव समाप्त होता है। देवी की आराधना से आरोग्य में वृद्धि और शत्रुओं पर विजय का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

हिंदू धर्म में दस महाविद्याओं का विशेष महत्व है, जिनमें मां बगलामुखी को आठवीं महाविद्या माना जाता है। उन्हें शक्ति की अधिष्ठात्री देवी के रूप में पूजा जाता है। यह पर्व वैशाख शुक्ल अष्टमी के दिन मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन मां बगलामुखी का प्राकट्य हुआ था। इस अवसर पर भक्त विशेष पूजा, अनुष्ठान और साधना कर माता को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बरकतउल्ला विविः परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 4 मई तक बढ़ी

बुधनी। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रथम वर्ष (NEP) के नियमित और स्वाध्यायी छात्रों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब परीक्षार्थी बिना विलंब शुल्क के 4 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद 8 मई तक 300 रुपये विलंब शुल्क के साथ फॉर्म भरे जा सकेंगे। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा फॉर्म भरने के लिए ABC आईडी होना अनिवार्य है। छात्र विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में नगर पालिका और बैंक अधिकारियों की बैठक आयोजित

सीहोर। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार 9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सम्बंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह द्वारा बैंक एवं नगर पालिका के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नेशनल लोक अदालत में बैंक एवं नगर पालिका के अधिक से अधिक लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरण रखने और निराकरण करने के सम्बंध में चर्चा की गई एवं आवश्यक दिशानिर्देश भी दिये गये। बैठक में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, एलडीएम श्री जयदीप भट्टाचार्य, बैंकों के प्रबंधक उपस्थित थे। इसके साथ ही सभी नगर पालिकाओं के सीएमओ और अन्य अधिकारीगण विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

उज्जैन में युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने किया चक्काजाम

उज्जैन। उज्जैन के नानाखेड़ा थाना क्षेत्र में 26 वर्षीय युवक राजनाथ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस को उसकी बॉडी बुधवार रात करीब 12 बजे पंतिपले रोड पर एक पत्थर के ढेर के पास पड़ी मिली थी। युवक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने इस दिशा में जांच की मांग को लेकर गुरुवार दोपहर नानाखेड़ा थाने के सामने चक्काजाम कर दिया। हालांकि पुलिस की समझाइश के बाद परिजन शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए रवाना हो गए। पुलिस को सड़क किनारे युवक की बॉडी पड़ी होने की सूचना रात करीब 12 :30 बजे ली थी। एफआरवी ने बॉडी और जिला अस्पताल पहुंचाई, जहां आज पोस्टमार्टम किया गया। मृतक की पहचान राजनाथ उर्फ राजाराम पिता दिलीप नाथ निवासी कोलूखेड़ी के रूप में हुई है।

दिव्यांग साले की हत्या करने वाले जीजा को उम्रकैद

खंडवा। खंडवा जिले के सिहाड़ा गांव में पिछले साल हुए दिव्यांग युवक की हत्या के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अनिल चौधरी की अदालत ने आरोपी जीजा महेंद्र उर्फ गणेश शिंदे को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 10 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। अभियोजन के अनुसार, घटना 20 सितंबर 2025 की शाम करीब 6.30 बजे की है। मृतक मनीष चांगरे, जो दिव्यांग था, अपने घर के बाहर साइकिल पर बैठा था। उसी दौरान आरोपी महेंद्र उर्फ गणेश शिंदे चाकू लेकर पहुंचा हमला कर दिया।

भस्म आरती में भक्तों ने किए दिव्य दर्शन

वैशाख अष्टमी पर श्री महाकाल दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

उज्जैन ■ निसं

वैशाख शुक्ल पक्ष की अष्टमी के अवसर पर शुक्रवार सुबह बाबा महाकाल के दरबार में भस्म आरती के दौरान श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हजारों भक्त देर रात से ही कतारों में लगकर अपने इष्ट देव भगवान महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचे।

प्रातः करीब चार बजे मंदिर के पट खुलने के साथ ही भगवान महाकाल का अलौकिक श्रृंगार कर भस्म अर्पित की गई। इस दिव्य आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर च्जय श्री महाकाल के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि वैशाख शुक्ल पक्ष की अष्टमी पर शुक्रवार सुबह 4 बजे भस्म आरती संपन्न हुई। मंदिर के पट खुलते ही वीरभद्र जी से आज्ञा लेकर पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी देवी-देवताओं का विधिवत पूजन-अर्चन किया।

इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर, पंचामृत और फलों के रस से किया गया। पूजन के दौरान प्रथम घंटा बजाकर च्हरि ओमज् के साथ जल अर्पित किया गया। पुजारियों और पुरोहितों ने भगवान का भव्य श्रृंगार कर कपूर आरती की और उन्हें नवीन मुकुट धारण कराया। इसके पश्चात महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल के शिवलिंग पर भस्म अर्पित की गई और झांझ, मंजीरे, ढोल-नगाड़ों तथा शंखनाद के साथ भस्म आरती संपन्न हुई।

आज के विशेष श्रृंगार में भगवान महाकाल को भांग से सजाया गया और त्रिपुंड से अलंकृत कर भस्म अर्पित की गई। श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य और अलौकिक स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

यह है आरती का समय

- भस्म आरती सुबह 4 से 6 बजे तक
- दद्योदक आरती प्रात 7 से 7. 45 बजे तक
- भोग आरती प्रात 10 से 10.45 बजे तक
- संध्या पूजन सायं 5 से 5.45 बजे तक
- संध्या आरती सायं 7.00 से 7.45 बजे
- शयन आरती रात्रि 10.30 से 11.00 बजे तक

महाकालेश्वर मंदिर मे आरतियों के समय में हुआ यह बदलाव आश्विन मास की पूर्णिमा (शरद पूर्णिमा) तक जारी रहेगा।

पोषण पखवाड़ा समापन सह नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के वार्ड क्रमांक 14 सेक्टर कमांक 02 में पोषण पखवाड़ा समापन एवं नारी शक्ति बंधन पखवाड़ा अंतर्गत गोष्ठी का आयोजन किया गयाद्व पोषण पखवाड़ा समापन कार्यक्रमअंतर्गत पौष्टिक व्यंजनों की पोषण प्रदर्शनी एवं पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें ह्र से 5 वर्ष के बच्चों की माताओं एवं गर्भवती माताओ द्वारा पौष्टिक व्यंजनों के द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा जागरूकता का संदेश दिया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड क्रमांक 14 के वार्ड पार्षद दीपक बाथव ,

सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती चंद्रकला बिंडैया द्वारा पोषण के संबंध में जानकारी दी गई ।पोस्टिक आहार निर्माण कैसे किया जाए जिसमें स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाना, भोज्य पदार्थों में 6 खाद्य समूह में से कम से कम चार खाद्य समूह का समावेश आवश्यक रूप से किया जाने ,स्थानीय उपलब्धता के आधार पर पौष्टिक भोजन का निर्माण एवं भोजन में कम नमक, चीनी,तेल, का उपयोग करने हेतु माताओं को समझाइस दी गई ।

प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती सुचित्रा राजावत द्वारा महिलाओं को सर्वप्रथम स्वयं स्वस्थ रहने सशक्त बनने हेतु प्रेरित किया गया उन्हें भोजन की मात्रा गुणवत्ता एवं बारंबारता पर ध्यान देने की समझा इस दी महिलाओं को स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि सशक्त नारी ही सशक्त परिवार का निर्माण करती है स्वास्थ्य अच्छा होगा तो आपका परिवार स्वस्थ रहेगा किसी प्रकार की कोई रोग समस्याएं नहीं आएंगी इसी प्रकार भोजन में मोटे अनाज,दलहन,वसा, दूध से बने भोज्य पदार्थों का सेवन करने हेतु जानकारी प्रदान की गई।

भगवान चित्रगुप्त का जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

सिवनी मालवा ■ निसं

स्थानीय अखिल भारतीय कायस्थ महासभा युवा प्रकोष्ठ द्वारा गंगा गुरुवार सप्तमी को ग्राम सोमलवाड़ा के चित्रगुप्त मंदिर में सभी चित्रांश बंधुओं ने एकत्र होकर भगवान श्री चित्रगुप्त जी का जन्मोत्सव मनाया। इस अवसर पर सामूहिक रूप से चित्रांश बंधुओं ने अपने इष्ट देव भगवान चित्रगुप्त का विधि-विधान से पंडित मोहित शर्मा मालापाठ द्वारा मंत्रोच्चार से कर

अभिषेक, हवन, पूजन-आरती की गई ।पूजन, महाआरती, प्रसादी वितरण किया गया ।चित्रांश बंधुओं ने अपने इष्ट देव भगवान चित्रगुप्त जी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया। मंदिर प्रांगण में ही स्थित भगवान राम, जानकी, शंकर जी, हनुमान जी के दर्शन भी सभी ने किए। कार्यक्रम में महिलाओं ने मंदिर में भजन-कीर्तन किये। साथ ही सभी चित्रांश बंधुओं ने एक-दूसरे को चित्रगुप्त जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

तत्पश्चात मंदिर मे भण्डारे का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर कायस्थ समाज के सभी महिला,एवं पुरूष सदस्यों में नीलेश श्रीवास्तव, लाल बहाददुर श्रीवास्तव,वीरेंद्र श्रीवास्तव, विनय खरे, विपिन खरे,राजेश(सिल्लू) श्रीवास्तव, राकेश(बब्लू) श्रीवास्तव, उमेश गौड़, पंकज वर्मा,दीपक गौड़ आदि एवम महिलाओं में इंदु सक्सेना,दीपिका सक्सेना, रश्मि खरे, ज्योति श्रीवास्तव, खुशबू श्रीवास्तव, पूजाश्रीवास्तव, ज्योति गौड़,गीतांजली गौड़,शीतल श्रीवास्तव, सरला गौड़, अनन्या खरे सहित सभी सामाजिक महिलाएं, पुरुष, बच्चे एवं ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान से बदली किसान की तकदीर

खेत तालाब बना आय और आत्मनिर्भरता का स्रोत

सीहोर ■ निसं

प्रदेश सरकार द्वारा जल संरक्षण और संवर्धन को जन-आंदोलन बनाने के उद्देश्य से संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' अब ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव की मिसाल बनता जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सीहोर जिले में जल संरक्षण के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं, जिनका सीधा लाभ किसानों को मिल रहा है। सीहोर जिले के ग्राम ग्वाली निवासी किसान श्री बाबूलाल की कहानी इस अभियान की सफलता को बखूबी दर्शाती है। पहले जहां बाबूलाल वर्षा पर निर्भर खेती करते थे और सिंचाई के सीमित साधनों के कारण फसल उत्पादन भी प्रभावित होता था, वहीं अब वे आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से कदम बढ़ा चुके हैं।

गत वर्ष चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मनरेगा (वीवीजीरामजी) योजना के तहत बाबूलाल ने आष्टा जनपद पंचायत में खेत तालाब निर्माण के लिए आवेदन किया था, जो स्वीकृत हो गया। शासन की सहायता से उन्होंने लगभग 4 लाख 50 हजार रुपये की लागत से अपने खेत में तालाब का निर्माण कराया। यह तालाब अब उनके लिए सिर्फ जल संग्रहण का साधन नहीं, बल्कि समृद्धि का आधार बन गया है।इस तालाब के निर्माण से बाबूलाल को वर्षा जल का संरक्षण करने का स्थायी माध्यम मिला, जिससे अब वे अपनी फसलों की समय पर सिंचाई कर पा रहे हैं। परिणामस्वरूप उनकी खेती में उत्पादन बढ़ा है और फसलों की गुणवत्ता भी बेहतर हुई है।

खास बात यह है कि बाबूलाल ने इस तालाब का उपयोग मछली पालन के लिए भी शुरू किया है। इससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और कर्मचारियों के वेतन में देरी जैसे उठाए कई अहम मुद्दे

समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता, पार्षद प्रतिनिधि दीपक दीक्षित ने ज्ञापन सौंपा

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर की जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्षद प्रतिनिधि दीपक दीक्षित सक्रिय दिखाते हुए वार्ड सहित नगर की अनेक समस्याओं को लेकर मुख्य नगरपालिका अधिकारी के नाम का ज्ञापन अकाउंटेंट महेंद्र परिहार को सौंपकर शहर की प्रमुख समस्याओं को उठाया और त्वरित समाधान की मांग की। ज्ञापन में दीपक दीक्षित ने ग्रीष्म ऋतु में बढ़ती मच्छरों की समस्या को गंभीर बताते हुए कहा कि शहर में नियमित रूप से फॉगिंग मशीन से छिड़काव और प्रभावी कीटनाशक दवाओं का उपयोग किया जाने की मांग की,उन्होंने बताया कि मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण आम नागरिकों की नींद प्रभावित हो रही है और बीमारियों का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है।

दीक्षित ने नगर पालिका की हाजिरी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि कर्मचारियों की हाजिरी ऐसे स्थानों पर लगाई जा रही है, जहां छाया जैसी बुनियादी सुविधा तक उपलब्ध नहीं है। उन्होंने इस व्यवस्था को अव्यवस्थित बताते हुए तत्काल सुधार की मांग की।

इसके साथ ही दीपक दीक्षित ने शिवराज पार्क के समय में बदलाव करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय ग्रीष्म ऋतु के अनुसार उपयुक्त नहीं है, इसलिए पार्क को समय शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

दीक्षित ने कर्मचारियों के वेतन में हो रही देरी को भी गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि समय पर वेतन न मिलने से कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिससे उनके दैनिक जीवन, बैंक ऋण की किश्त, बच्चों की फीस, राशन एवं दवाइयों जैसी आवश्यक जरूरतों पर सीधा असर पड़ता है।

अंत में दीपक दीक्षित ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की कि कर्मचारियों का वेतन हर माह 1 से 5 तारीख के बीच सुनिश्चित किया जाए और सभी जनसमस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए।

वहीं दीपक दीक्षित ने सीएमओ अमर सिंह उईके से फोन पर चर्चा कर नगर की समस्याओं से अवगत कराया तो सीएमओ अमर सिंह उईके ने तत्काल कार्यवाही करते हुए पार्क का समय परिवर्तन करने का निर्देश दिया। ओर जल्द ही उक्त समस्याओं के निराकरण का भी आश्वासन दिया।

महिला के निधन पर परिजनों ने नेत्रदान और देहदान कराया

सागर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया, दो लोगों को मिलेगी रोशनी, मेडिकल के विद्यार्थी करेंगे शोध

सागर ■ निसं

सागर में 72 वर्षीय महिला के निधन पर उनके परिजन ने नेत्रदान और देहदान कराया। इस कार्य से मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे मेडिकल के विद्यार्थियों को जहां शोध में मदद मिलेगी। वहीं नेत्रदान से दो लोगों के जीवन में नई रोशनी भी मिलेगी। अंगदान करने पर शासन की ओर से पार्थिव शरीर को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मान दिया गया।

मेडिकल कॉलेज की टीम ने पूरी की प्रोसेस: दरअसल, सागर के मोतीनगर इलाके में रहने वाली 72 वर्षीय सुगंधी बाई जैन का इलाज के दौरान भाग्योदय अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने मौत से पहले अंगदान करने की इच्छा जताई थी। मां की अंतिम इच्छा को पूरा करने के लिए बेटे नितिन जैन, निशांत जैन, बेटी नेहा जैन, दामाद सुरेंद्र जैन और देवर चक्रेश सिंघई ने तत्काल आई बैंक से संपर्क किया। सूचना पर बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज की आई बैंक की टीम मौके पर पहुंची। सुरक्षित तरीके से कोर्निया संरक्षित किया।

त्याग ही जीवन का सच्चा वैभव, संयम ही आत्मा का वास्तविक आभूषण -अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी

भव्यातिभव्य जैनेश्वरि दीक्षा एवं गणिनी पद संस्कार महोत्सव 24 से 26 अप्रैल को परतापुर में

परतापुर जिला बांसवाड़ा (राजस्थान)। मूलनायक श्री 1008 नेमिनाथ भगवान व बाबा आदिनाथ भगवान की वरदानी छाँव तले जैनाचार्य पुष्पदंत व विद्यासागर सागर जी महाराज व तपस्वी सम्राट सन्मति सागर महाराज के आशीष से अन्तर्मना आचार्य श्री 108 श्री प्रसन्नसागरजी महाराज के चतुर्विध संघ के पावन सानिध्य में धर्मनगरी परतापुर में भव्य जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। जहां आयोजक कर्ता श्री दशाहुमड़ दिगम्बर जैन समाज परतापुर, जि. बांसवाड़ा (राज.) की धरा पर भारत के तपस्वी संत अपने शिष्यों को धर्म मार्ग में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेंगे। गौरतलब है कि तपाचार्य अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज की दीक्षा भुमि भी परतापुर ही है। जो अपने आप में एक संयोग है जहाँ गुरु पुष्पदंत सागर जी ने अपने शिष्य प्रसन्न सागर को दीक्षा के संस्कार दिए थे आज वही शिष्य उसी भूमि पर आचार्य प्रसन्न सागर जी के रूप में अपने शिष्यों के दीक्षा संस्कार करेंगे। इस आयोजन को लेकर अंतर्मना ने कहा कि दीक्षार्थी आत्माओं का सांसारिक जीवन से विरक्ति लेकर संयम, साधना और मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होने का यह आलौकिक एवं पुण्यमयी अवसर है। क्योंकि त्याग ही जीवन का सच्चा वैभव है, संयम ही आत्मा का वास्तविक आभूषण है।

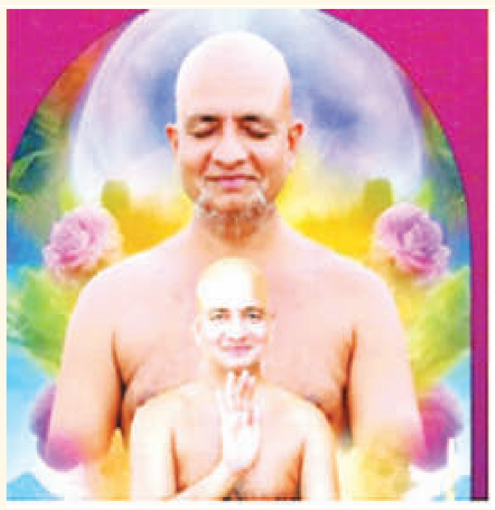

तपस्वी संत देंगे अपने साधक भक्तों को जैनेश्वरी दीक्षा

भव्य जैनेश्वरी दीक्षा समारोह में क्षुल्लक 105 श्री अर्धसागर जी को (मुनि दीक्षा), क्षुल्लिका 105 धर्मप्रभा माताजी को (आर्यिका दीक्षा), दीक्षार्थी संजय भैयाजी को (मुनि दीक्षा) व दीक्षार्थी कनक दीदी (क्षुल्लिका दीक्षा) दी जाएगी।

आयोजन की मांगलिक क्रियाएं 24 अप्रेल, शुक्रवार से शुरू होगी जहां प्रात: 7.30 बजे अभिषेक, शांतिधारा प्रात: 8.00 बजे, अन्तर्मना प्रवचन दोपहर 3:30 बजे, गुरु पूजा सायं 7.00 बजे, भक्तिमय आनंद यात्रा, आरती, रात्रि 8:00 बजे दीक्षार्थीयों की गोद भराई हल्दी एवं मेहंदी रस्म, रात्रि 9.00 बजे नाटिका मंचन संगीत एवं गरबा कार्यक्रम। 25 अप्रैल, शनिवार प्रात: 7.00 बजे अभिषेक, शांतिधारा प्रात: 7.30 बजे, गणधर वलय विधान, प्रात: 8.00 बजे, अन्तर्मना प्रवचन दोपहर 3:30 बजे, गुरु पूजा रात्रि 8.00 बजे दीक्षार्थियों की बिनौली (शोभा यात्रा) 26 अप्रेल, रविवार प्रात: 6:00 बजे अभिषेक, शांतिधारा प्रात: बाद 6.30 बजे भव्य शोभा यात्रा व गुरुदेव द्वारा दीक्षा स्थल मंदीर प्रांगण से सुभाषचन्द्र बोस स्टेडियम, परतापुर में दीक्षार्थियों को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी। संपूर्ण आयोजन के सहयोगी श्री नेमिनाथ नवयुवक मण्डल, श्री चन्दनबाला महिला मण्डल चेलना बहु मण्डल, बेडवाबाबा बालिका मण्डल होंगे।

संक्षिप्त समाचार

दवा की ऑनलाइन बिक्री के खिलाफ 20 मई को बंद रहेंगे मेडिकल

भोपाल। मध्य प्रदेश में 20 मई को दवा दुकानों की हड़ताल का ऐलान किया गया है। भोपाल में 3 हजार से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में यह बंद बुलाया है। गुरुवार को राष्ट्रीय स्तर पर हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया, जिसमें देशभर के केमिस्ट संगठनों ने हिस्सा लिया। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि जिले के सभी रिटेल और थोक दवा व्यवसायी इस बंद का समर्थन करेंगे और 20 मई को अपनी दुकानें बंद रखेंगे। एसोसिएशन का कहना है कि यह मुद्दा सीधे आम लोगों की सेहत से जुड़ा है। घर-घर पहुंच रही ऑनलाइन दवाओं की गुणवत्ता और निगरानी को लेकर अभी स्पष्ट सिस्टम नहीं है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उनकी प्रमुख मांगें हैं- ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण, कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा भारी डिस्काउंट पर रोक और नकली और बिना निगरानी वाली दवाओं पर कार्रवाई आदि है।

हनुमान मंदिर पातरा बरखेड़ी से निकली भव्य शोभा यात्रा

भोपाल। हनुमान मंदिर बरखेड़ी में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा के बाद भव्य शोभा यात्रा में प्रभु ने नगर भ्रमण किया। धर्म ध्वजा एवं गाजे बाजे के साथ भक्तिमय माहौल में भक्तों ने भक्ति नृत्य किया। शोभा यात्रा विभिन्न मार्गो से मंदिर आई, यहां भंडारे में प्रसाद वितरण हुआ। मीडिया प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि प्राचीन हनुमान मंदिर में भगवान हरि विष्णु, माता लक्ष्मी, राम दरबार के साथ बाबा खाटू श्याम की प्रतिमा स्थापित की गई। इसके पूर्व अन्न -जल, फल, अधिवास पूजन के साथ कलश यात्रा निकली1 जिसे स्थापित करने का सौभाग्य लक्ष्मी बाई परिवार के पूर्व पार्षद संजय सुधा साहू, रौनक रोशनी साहू उर्मिला सुरेश शिवा साहू, पुरुषोत्तम शिखा, देवराज रियांस साहू, मीना सुरेश हर्ष साहू, मेघा शेष अनन्या साहू, सुप्रिया शिवम साहू ,अमरीका, मंजीत, रजनी, अक्ष साहू परिवार को प्राप्त हुआ।

10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन अब 26 अप्रैल तक

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने गुरुवार को विद्यार्थियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 26 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में मंडल ने आदेश भी जारी कर दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि को बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 अप्रैल 2026 थी। अब विद्यार्थी एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 26 अप्रैल तक हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा के आवेदन कर सकते हैं। शेष नियम-निर्देश पूर्ववत रहेंगे।

अगले महीने से सुपरफास्ट होगी भोपाल मेट्रो

भोपाल। राजधानी के मेट्रो यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। एमपी मेट्रो जल्द ही मेट्रो की रफ्तार बढ़ाने की तैयारी में है। अत्याधुनिक कम्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोल (सीबीटीसी) सिग्नलिंग सिस्टम लागू होने के बाद यात्रियों का सफर न केवल तेज होगा, बल्कि पहले से कहीं अधिक सुविधाजनक भी हो जाएगा। वर्तमान में ऑरेंज लाइन के प्रायोरिटी कॉरिडोर (एम्स से सुभाष नगर) के बीच सात किलोमीटर की दूरी तय करने में लगभग 25 मिनट का समय लगता है। नए सिग्नलिंग सिस्टम के सक्रिय होते ही यह समय घटकर केवल 16 मिनट रह जाएगा। यानी हर ट्रिप में करीब 9 मिनट की बचत होगी। आठ स्टेशनों वाले इस कॉरिडोर पर मई तक इस तकनीक के पूरी तरह चालू होने की संभावना है। पिछले कुछ समय से मेट्रो के ट्रिप में आई कमी को लेकर यात्री परेशान थे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार जनवरी में 13 ट्रिप से घटाकर अब केवल नौ ट्रिप ही संचालित की जा रही हैं। मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि यह कटौती अस्थायी है। सिग्नलिंग सिस्टम के अपग्रेडेशन और सुरक्षा मानकों की जांच के कारण ट्रिप कम किए गए हैं। सिस्टम शुरू होते ही ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी (आवृत्ति) बढ़ा दी जाएगी, जिससे प्लेटफार्म पर इंतजार का समय कम होगा। सीबीटीसी सिस्टम यह एक ऐसी तकनीक है जो ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए उन्हें कम अंतराल और तेज गति पर चलाने में मदद करती है। इससे मानवीय हस्तक्षेप कम होता है और सुरक्षा बढ़ती है। मेट्रो प्रबंधन का अनुमान है कि स्पीड बढने के बाद यात्रियों की संख्या में भारी इजाफा होगा।

किसानों से गेहूं का एक-एक दाना खरीदेगी राज्य सरकार

माताओं-बहनों को सर्वोपरि रखने की है हमारी संस्कृति- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति माताओं-बहनों का सर्वोपरि रखने की रही है। बहनों को विधानसभाओं और लोकसभा में आरक्षण दिलवाने के लिए हमारी सरकार लड़ाई लड़ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सबको साथ लेकर चलने के लिए सभी से अपील की थी, लेकिन कुछ राजनैतिक दलों को बहनों को उनका अधिकार देने में जरा भी दया नहीं आई। पहले भी बहनों के भरण पोषण के भत्ते से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी इन लोगों ने ही ठुकरा दिया था। राज्य सरकार माताओं-बहनों का सम्मान करते हुए लाड़ली बहना योजना के माध्यम से बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सौगात दे रही है। प्रदेश के 17 जिलों में महिला कलेक्टर हैं। प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में महिला अधिकारी एसपी हैं और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। सागर जिले में सांसद, महापौर भी महिलाएं हैं। प्रदेश भर में प्रमुख पदों पर महिलाओं को जिम्मेदारी दी जा रही है, लेकिन कई राजनैतिक दलों को नहीं सुहाता है। माताएं-बहनें सब कुछ भूल सकती हैं, पर अपना अपमान कभी नहीं भूल सकती हैं, बहनों से यही अपील है कि मौका मिलने पर हिसाब जरूर चुकता करना है। हमारा पूर्ण संकल्प है कि आज नहीं तो कल प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में इन बहनों को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवा कर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, नरयावली, सागर में विकास कार्यों के भूमि पूजन और लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन के प्रारंभ में बुंदेल केसरी महाराजा छत्रसाल और डॉ. हरिसिंह गौर को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन तथा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरयावली में 27 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक विद्यालय नहीं, हमारी 5 हजार साल पुरानी विरासत का प्रतीक है। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने वाले श्रीकृष्ण हमारे आदर्श हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरयावली में 41 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से 36 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें विभिन्न पंचायतों में बने 12 सीसी रोड शामिल हैं। क्षेत्र की जनता को नए सामुदायिक भवनों और आंगनवाड़ी भवनों की भी सौगात मिली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा आज 17 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से 62 विकास कार्यों का भूमि-पूजन भी किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए सरकार प्रयासरत है। अब कृषक कल्याण वर्ष में किसानों को आगे बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही हैं। बुंदेलखंड की धरती वीरों और महावीरों की धरती है। बुंदेलखंड के लोग हर क्षेत्र में दक्ष थे, लेकिन प्रकृति की मार पड़ी तो पानी की कमी हो गई और खेती प्रभावित होने से पलायन शुरू हो गया। अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में यहां केन-बेतवा लिंक नदी जोड़ो परियोजना की सौगात मिली है।

बच्चों में उल्टी-दस्त का प्रकोप

हमीदिया की ओपीडी में 20-25 प्रतिशत मरीज बढ़े

डॉक्टरों ने ओआरएस और हाइड्रेशन पर दिया जोर

भोपाल ■ निसं

भोपाल में बढ़ती गर्मी के साथ बच्चों में उल्टी-दस्त (गैस्ट्रोएंटेराइटिस) के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। पिछले एक हफ्ते से अस्पतालों में इस तरह के मरीजों की संख्या में इजाफा देखा गया है। हमीदिया अस्पताल की ओपीडी में 20 से 25 प्रतिशत मरीज उल्टी-दस्त और बुखार की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं।

हमीदिया के बाल एवं शिशु रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेश टिक्कस बताते हैं कि मौजूदा मौसम में तेज धूप और बढ़ती गर्मी के कारण बच्चों में लू के हल्के लक्षणों के साथ उल्टी, दस्त और बुखार का कॉम्बिनेशन देखने को मिल रहा है। पिछले 5 से 7 दिनों में ऐसे मामलों में स्पष्ट बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बता दें कि हमीदिया अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 250 से अधिक बच्चे इलाज के लिए पहुंचते हैं, जिनमें से करीब 50 से अधिक बच्चे उल्टी-दस्त (गैस्ट्रोएंटेराइटिस) से पीड़ित हैं। पिछले एक हफ्ते से ऐसे मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

विशेषज्ञों ने अभिभावकों को सलाह दी है कि बच्चों को तेज धूप में अनावश्यक बाहर न ले जाएं, बाहर ले जाते समय हल्के सूती कपड़े पहनाएं, बाहर निकलने से पहले हल्का भोजन या तरल जरूर दें।

दवा से ज्यादा जरूरी है पानी की कमी पूरी करना

डॉक्टरों का कहना है कि अधिकांश अभिभावक उल्टी-दस्त को तुरंत बंद कराने के लिए दवाओं पर जोर देते हैं, जबकि सबसे अहम जरूरत शरीर में पानी और लवण की कमी को पूरा करना है। डॉ. टिक्कस के अनुसार उल्टी-दस्त के दौरान शरीर से फ्लूइड और इलेक्ट्रोलाइट्स तेजी से निकलते हैं। इसे पूरा करना ही प्राथमिक उपचार है, जिसमें ओआरएस सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने सलाह दी कि बच्चों को ओआरएस घोल सही तरीके से तैयार कर थोड़ा-थोड़ा पिलाना चाहिए। इसके अलावा स्तनपान कराने वाली माताएं बच्चों को दूध देना जारी रखें। साथ ही नारियल पानी, चावल का माड़, पतली खिचड़ी, दलिया और शिकंजी जैसे तरल पदार्थ भी फायदेमंद हैं।

मां नर्मदा को प्रदूषण मुक्त रखने के संकल्प के साथ आटे के दीपक का शुरू किया व्यवसाय

महिला स्व-सहायता समूह की सराहनीय पहल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण एवं उनकी आय में वृद्धि के उद्देश्य से स्व-सहायता समूह बनाकर उनको रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे है। प्रदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूह स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप रोजगार के साधन अपना रहे हैं। ओंकारेश्वर के एक स्व-सहायता समूह ने इसी दिशा में एक अच्छा कार्य आरंभ किया है।

खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर के समीप स्थित ग्राम मोरटक्का निवासी श्रीमती विजया जोशी ने च्मां नर्मदा आजीविका स्वयं सहायता समूह का गठन कर एक अनूठी पहल की। उन्होंने च्आटे के दीपकज्ज् निर्माण का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। उनका मानना था कि प्लास्टिक के दोने में दीपदान करने से नदी में प्रदूषण बढ़ता है, जिससे मां नर्मदा में रहने वाले जलीय जीव-जंतुओं को भी नुकसान होता है। इसी सोच के साथ समूह की महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आटे के दीपक बनाने का कार्य शुरू किया।

महिलाओं ने स्व-सहायता समूह के माध्यम से डेढ़ लाख रुपये का ऋण लेकर दीपक निर्माण की मशीन खरीदी। ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक श्री आनंद शर्मा ने बताया कि मिशन द्वारा महिलाओं को पैकेजिंग, मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग के क्षेत्र में आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया जा रहा है। समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए आटे के दीपक मोरटक्का के खेड़ीघाट स्थित फूलमाला एवं किराना दुकानों पर विक्रय के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। इससे ओंकारेश्वर और मोरटक्का क्षेत्र में मां नर्मदा में दीपदान करने वाले श्रद्धालुओं को उचित मूल्य पर पर्यावरण अनुकूल विकल्प मिल रहा है।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती विजया जोशी ने बताया कि इस पहल से दो प्रमुख लाभ हुए हैं। पहला, प्लास्टिक के दोने से होने वाला प्रदूषण कम हुआ है। दूसरा, दीपक में उपयोग किया गया आटा नदी में मछलियों के भोजन के रूप में उपयोग हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि शास्त्रों में दीपदान का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रीय विधि से आटे के दीपक में दीपदान करने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होने की मान्यता भी है।

तीन वर्षों में साढ़े 8 हजार हितग्राहियों के उद्यमी बनने के सपने हुए साकार

भोपाल। सीहोर जिले के आष्टा विकासखंड के श्री श्यामलाल परमार, ग्राम मेंडोरा के लोकेश गौर, चैनपुरा के श्री मोहन शर्मा, झाबुआ जिले के ग्राम रायचुरिया के श्री भैरूलाल मकवाना प्रदेश के उन साढ़े 8 हजार हितग्राहियों में से चुनिंदा है, जिन्होंने प्रधानमंत्री सूक्ष्म, खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (पीएम-एफएमई) के माध्यम से अपनी पहचान एक उद्यमी के रूप में बनाई है। साथ ही बड़ी संख्या में अन्य लोगों को रोजगार भी मुहैया कराया है। मध्यप्रदेश में गत 3 वर्षों में 5 हजार 615 उद्यम इकाइयों की स्थापना की गई है। केन्द्र सरकार की भागीदारी से संचालित इस योजना में 3 वर्षों में 292 करोड़ से अधिक की अनुदान सहायता उपलब्ध कराई गई है। इसमें 175 करोड़ 21 लाख रुपये केन्द्रांश और 116 करोड़ 81 लाख रूपये राज्यांश के रूप में दिये गये है। योजना में हितग्राही व्यक्तिगत इकाई या समूह के रूप में योजना से जुड़ सकते हैं।

अब तक 2945 स्थानों पर हुई जाँच, 4642 गैस सिलेण्डर किये गये जब्त

भोपाल ■ अमृत दर्शन

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2945 स्थानों पर जांच की गई, 4642 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 13 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 773 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 2 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है। मंत्री राजपूत ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, उस क्षेत्र के उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन जरूर लें। इससे उन्हें गैस सिलेंडर लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गैस की सतत आपूर्ति होगी। उपभोक्ताओं से आग्रह है कि किसी तरह का भ्रम नहीं पालें। पीएनजी पूरी तरह से सुरक्षित है। भारत में कच्चे तेल का पर्याप्त भण्डार है, देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मंत्री राजपूत ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70% सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं।

यह भी ध्यान रखा जाये कि सड़क पर कारोबार कर रहे छोटे व्यवसायी (स्ट्रीट वेण्डर) को भी उक्त अनुसार कमर्शियल सिलेण्डर प्रदाय किये जायें।

भोपाल। मप्र सरकार में मंत्री प्रहलाद पटेल के सुपुत्र की सगाई कार्यक्रम में प्रदेश के दिग्गज शामिल हुए। इस मौके पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सीएस अनुराग जैन ,आईएएस , आईपीएस अधिकारी, संघ पदाधिकारी, भाजपा पदाधिकारी, पत्रकारगण सहित समाजसेवियों ने बधाई दी।

अनमोल वचन

सौंदर्य तो अस्थाई है लेकिन मन आपका जीवन भर साथ देता है।
– एलिशिया मेकेडो

विचारों को मूर्त रूप देने की क्षमता ही सफलता का रहस्य है।
– हेनरी वार्ड बीचर

सम्पादकीय

चुनाव आयोग की तार्किक विसंगति बनाम अतार्तिक विसंगति?

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में तार्किक विसंगति के नाम पर 27 लाख, 10 हजार नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए हैं। इन नागरिक मतदाताओं को अंतिम समय तक वोट डालने का अधिकार नहीं मिला। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 19 न्यायाधिकरण भी बनाए गए। यह भी मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा नहीं कर पाए। लाखों की संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो गए। यह सब लोकतांत्रिक, संवैधानिक संस्थाओं ने अधिकारों के नाम पर किया है। इस प्रक्रिया में इन लाखों मतदाताओं के अधिकार कहां चले गए। इसमें कौन सा तर्क है, और कौन सा वितर्क है? इसका जवाब कोई नहीं दे रहा है। जो ट्रिब्यूनल सुप्रीम कोर्ट आदेश पर बनाए गए थे, उन्हें मतदान के दो दिन पहले तक सुनवाई कर निर्णय देना था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दो दिन पहले तक मतदाता सूची को अपडेट करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग को दी थी। याचिकाकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट में भरोसा दिलाया गया था, मतदाताओं के साथ न्याय होगा। सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, ट्रिब्यूनल सब जगह मतदाता घूमते रह गए। कहीं से भी न्याय नहीं मिला। लाखों मतदाताओं ने सुनवाई के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन लगाए। 21 अप्रैल तक मात्र 138 लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। चुनाव आयोग ने तार्किक विसंगति के पक्ष में जो तर्क सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में दिए थे, वह सब हवा-हवाई साबित हुए। 2002 की मतदाता सूची में जिन मतदाताओं के नाम थे, तार्किक विसंगति के नाम पर उनके भी नाम काट दिए गए। इसका क्या तर्क है, यह चुनाव आयोग नहीं बता पा रहा है। इसको देखते हुए यही कहा जा सकता है- समरथ को नहीं दोष गुसाईं। चुनाव आयोग ने तार्किक विसंगति के नाम पर पहले 60 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए। जिनके नाम कटे उसमें सारे गरीब- गुरवे थे, जो कई दिनों तक नाम जुड़वाने के लिए अपनी नौकरी, कारोबार, मजदूरी छोड़कर चक्कर लगाते रह गए। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के नाम पर उन्हें भूखा भी रहना पड़ा। मजदूरी पर नहीं जाने के कारण उनके परिवार के लोगों को खाने-पीने और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। जिस जनता के अधिकारों के लिए चुनाव आयोग, हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट व राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है, वह उनके अधिकारों की रक्षा करने में सफल नहीं हो पाए। तार्किक विसंगति के नाम पर सही मतदाता सूची को बनाने के नाम पर लाखों मतदाताओं के नाम जोड़ने की जगह काटे गए है। करोड़ों रुपए इसमें सरकारी खजाने से खर्च किए गए। कई राज्यों के न्यायिक अधिकारियों को चुनाव के काम में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से लगा दिया गया। इसका कोई फायदा ही नहीं हुआ। गरीब आखिर गरीब ही होता है। गलती कोई भी करे, गरीब के नसीब में यदि कष्ट लिखा हुआ है, तो कोई क्या कर सकता है। चुनाव आयोग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए तार्किक विसंगति की जो रूपरेखा तय की थी, उसका उपयोग केवल पश्चिम बंगाल में किया गया है। चुनाव आयोग और उसमें काम करने वाले लोगों ने डाटा एंट्री मे जो गलती की हैं, उनके द्वारा तैयार किए गए सॉफ्टवेयर की गलतियों का खामियाजा पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को भोगना पड़ा है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। सबसे बड़ी आशंका की बात यह है, बांग्लादेश में जब शेख हसीना का चुनाव हुआ था। वहां पर भी कुछ इसी तरह की स्थितियां बनी थीं। बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने शेख हसीना की पार्टी को चुनाव जिताने के लिए जो मदद की थी, अब वही सब कुछ पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव में जिस तरह की क्रिया और प्रतिक्रिया की जा रही है। उसके परिणाम किस रूप में सामने आयेंगे कहना मुश्किल है। बांग्लादेश में भी बंगाली समुदाय और बंगाली संस्कृति के नागरिक थे। पश्चिम बंगाल में भी बंगाली हैं। बंगालियों का डीएनए एक तरह का है। यह आसानी से अपने ऊपर जुल्म बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। यह बंगालियों का इतिहास है। तार्किक विसंगति के नाम पर कुतर्क का जो खेल पश्चिम बंगाल में खेला गया है, उसकी परणति किस रूप में होगी इसका पता तो भविष्य में ही चलेगा।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्राय: हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते।

इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो!

इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

न्यायपालिका बनाम विधायिका टकराव पर संवैधानिक प्रश्न

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका और राजनीति के बीच संतुलन बेहद संवेदनशील विषय है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा जस्टिस पर की गई टिप्पणी ने इसी संतुलन को लेकर बहस छेड़ दी है। सवाल यह है कि क्या किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा न्यायाधीशों पर सार्वजनिक टिप्पणी करना उचित है? पहली बात, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल स्तंभ है। एक राजनेता होने के नाते केजरीवाल को अपनी बात रखने का अधिकार है।

दिल्ली की राजनीति में हाल में उभरा जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा बनाम दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विवाद एक बड़े संवैधानिक प्रश्न को जन्म देता है-क्या यह मामला सच में न्यायपालिका बनाम विधायिका का टकराव है, या फिर यह संस्थाओं के बीच संतुलन और जवाबदेही की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है? यह विवाद तब चर्चा में आया जब अदालत की टिप्पणियों और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं ने सार्वजनिक विमर्श को गर्मा दिया। अदालत ने शासन के कुछ निर्णयों और प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए, जबकि राजनीतिक पक्ष ने इसे न्यायिक दखल के रूप में देखा। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा बनाम केजरीवाल विवाद को सीधे-सीधे न्यायपालिका बनाम विधायिका का टकराव कहना अतिशयोक्ति होगी। यह लोकतंत्र के भीतर चल रही वह स्वाभाविक प्रक्रिया है, जिसमें संस्थाएँ एक-दूसरे पर नियंत्रण और संतुलन बनाए रखती हैं। असल चुनौती टकराव से बचना नहीं, बल्कि संवैधानिक संतुलन और गरिमा को बनाए रखना है-क्योंकि मजबूत लोकतंत्र वही है, जहाँ संस्थाएँ स्वतंत्र भी हों और जिम्मेदार भी।

भारतीय संविधान में तीनों स्तंभ-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका-स्पष्ट रूप से अलग-अलग भूमिकाओं के साथ स्थापित किए गए हैं। न्यायपालिका का दायित्व: कानून की व्याख्या करना और यह सुनिश्चित करना कि सरकार संवैधानिक सीमाओं में काम करे। विधायिका का अधिकार: कानून बनाना और नीतियाँ तय करना। ऐसे में जब अदालत किसी सरकारी फैसले पर सवाल उठाती है, तो वह टकराव नहीं, बल्कि संवैधानिक जांच का हिस्सा होता है।

आखिरकार विवाद की असली जड़ क्या है? इस प्रकरण में मूल मुद्दा सीमा-निर्धारण का है। यदि न्यायपालिका नीति निर्माण में गहराई से हस्तक्षेप करे, तो विधायिका को अतिक्रमण महसूस हो सकता है। वहीं, यदि सरकार न्यायिक आदेशों या टिप्पणियों को नजरअंदाज करे, तो यह कानून के शासन को कमजोर कर सकता है। यानी, समस्या टकराव की नहीं, बल्कि संतुलन बनाए रखने की है।

लोकतंत्र के लिए क्या संकेत? यानी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह विवाद कुछ महत्वपूर्ण संकेत देता है। संस्थागत संवाद की आवश्यकता: टकराव की बजाय सहयोग और सम्मान जरूरी है। संवैधानिक मर्यादा: हर संस्था को अपनी सीमाओं का सम्मान करना होगा। लोकतांत्रिक परिपक्वता: सार्वजनिक बयानबाजी के बजाय कानूनी प्रक्रियाओं पर भरोसा बढ़ाना चाहिए।

जस्टिस पर की टिप्पणी-क्या यह उचित है?

भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका और राजनीति के बीच संतुलन बेहद संवेदनशील विषय है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा जस्टिस पर की गई टिप्पणी ने इसी संतुलन को लेकर बहस छेड़ दी है। सवाल यह है कि क्या किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा न्यायाधीशों पर सार्वजनिक टिप्पणी करना उचित है? पहली बात, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल स्तंभ है। एक राजनेता होने के नाते केजरीवाल को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन यह अधिकार पूर्ण नहीं है-इसके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। जब टिप्पणी न्यायपालिका जैसे संवैधानिक संस्थान पर हो, तो शब्दों का चयन और मर्यादा दोनों अहम हो जाते हैं।दूसरी ओर, न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोकतंत्र की रीढ़ मानी जाती है। यदि राजनीतिक नेता न्यायाधीशों के फैसलों या व्यक्तित्व पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाने लगें, तो इससे जनता का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। यह स्थिति न्यायपालिका की निष्पक्षता पर अनावश्यक संदेह पैदा कर सकती है।हालांकि, यह भी सच है कि न्यायपालिका आलोचना से परे नहीं है। स्वस्थ लोकतंत्र में हर संस्था की समीक्षा होनी चाहिए। लेकिन यह समीक्षा तथ्यों, तर्क और संवैधानिक मर्यादा के दायरे में होनी चाहिए-न कि व्यक्तिगत या भावनात्मक आरोपों के रूप में।इस पूरे विवाद में मूल प्रश्न संतुलन का है-क्या आलोचना संस्थागत सुधार के लिए है, या राजनीतिक लाभ के लिए? अगर उद्देश्य सुधार है, तो भाषा और मंच दोनों संयमित होने चाहिए। केजरीवाल की टिप्पणी को केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चश्मे से नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी के पैमाने पर भी परखा जाना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि संस्थाएं एक-दूसरे का सम्मान करते हुए जवाबदेही निभाएं।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को केस से हटाने वाली याचिका खारिज: दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपियों द्वारा दायर उन अर्जियों को खारिज किया, जिनमें शराब नीति मामले की सुनवाई से जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के हटने की मांग की गई थी। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने टिप्पणी की कि सिर्फ इसलिए कि उनके बच्चे केंद्र सरकार के पैनल वकील हैं, यह नहीं माना जा सकता कि उनके मन में केजरीवाल के प्रति कोई पूर्वाग्रह है। जज ने आगे कहा कि किसी राजनेता को न्यायिक क्षमता का आकलन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। किसी जज की क्षमता का फैसला हाईकोर्ट करता है, न कि कोई वादी। किसी राजनेता को अपनी सीमा पार करने और न्यायिक क्षमता का आकलन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती, हो सकता है कि कोई वादी हमेशा सफल न हो, और केवल हाईकोर्ट ही यह तय कर सकता है कि कोई फैसला गलत है या एकतरफा। जिला कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट सही ठहरा सकता है।

ग्रामीण लोकतंत्र की सुदृढ़ नींव

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस और 73वाँ संविधान संशोधन

सुनील कुमार महला

इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमश: ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं।

हमारा देश गांवों का देश है और गाँव स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह दिन इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को भारत में 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिसके माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि यद्यपि यह संशोधन भारतीय संसद द्वारा वर्ष 1992 में पारित किया गया था, परंतु इसे 24 अप्रैल 1993 से प्रभावी किया गया। यही कारण है कि यह तिथि भारतीय ग्रामीण लोकतंत्र के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

वास्तव में, 73वाँ संविधान संशोधन भारतीय संविधान में किया गया एक ऐतिहासिक, नायाब और दूरदर्शी संशोधन था। कहना ग़लत नहीं होगा कि इस संशोधन ने ग्रामीण स्वशासन की वास्तविक नींव रखी। इस संशोधन के बाद राज्य सरकारों के लिए पंचायती राज व्यवस्था को लागू करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य हो गया। इसके माध्यम से संविधान में भाग-IX जोड़ा गया, जिसमें पंचायतों से संबंधित प्रावधान सम्मिलित किए गए। साथ ही, इसमें 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को सौंपे जाने वाले 29 विषयों का उल्लेख किया गया।

इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमश: ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं। ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर के निर्वाचित सदस्यों का चयन सीधे मतदाताओं द्वारा होता है, जबकि मध्यवर्ती एवं जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। पंचायत चुनावों के संचालन हेतु प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया। इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-इ के अनुसार प्रत्येक पंचायत का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है, यदि उसे पूर्व में भंग न किया जाए। इससे पंचायतों को स्थायित्व और निरंतरता प्राप्त हुई।इस संशोधन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक सामाजिक न्याय और समावेशिता है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। महिलाओं को पंचायतों में प्रतिनिधित्व मिलने से ग्रामीण नेतृत्व में व्यापक परिवर्तन आया और महिला सशक्तीकरण को नई दिशा व उन्नयन मिला। इतना ही नहीं, पंचायतों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य वित्त आयोग गठित करने का प्रावधान किया गया, जो पंचायतों को वित्तीय संसाधनों के वितरण पर सुझाव देता है।बहुत कम लोग जानते होंगे कि इस संशोधन के तहत अनुच्छेद 243-ह भी जोड़ा गया, जिसके अनुसार पंचायत चुनावों से संबंधित परिसीमन या सीटों के आवंटन को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव संबंधी विवादों का निपटारा केवल राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। इससे चुनाव प्रक्रिया में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप कम हुआ।एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि जहाँ विधायक या सांसद बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है, वहीं अनुच्छेद 243-एफ के अंतर्गत पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी गई है। इससे युवाओं को कम आयु में नेतृत्व और जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ। बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि यह अधिनियम कुछ विशेष क्षेत्रों में स्वत: लागू नहीं होता है। इनमें नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, अनुसूचित एवं जनजातीय क्षेत्र, मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र, तथा पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला (दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल क्षेत्र) शामिल हैं।

क्यों सुसाइड कर रहे हैं एनआइटी के होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में द्वितीय वर्ष की एक छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई, जिससे पिछले दो महीनों में परिसर में संदिग्ध छात्र मृत्यु का यह चौथा मामला सामने आया है।एनआईटी कुरुक्षेत्र में एक और छात्रा की आत्महत्या! यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की गंभीर विफलता का संकेत है।एनआइटी में प्रवेश पाने के लिए छात्र छात्राओं द्वारा कठोर परिश्रम कर पढ़ाई कर प्रवेश परीक्षा पास कर तकनीकी शिक्षा लेने का सपना पूरा करने का मौका बिरले छात्रों को मिल पाता है लेकिन जब ऐसे होनहार छात्र छात्राओं द्वारा मौत को गले लगाने का सिलसिला चलता है तो इस संस्थान के माहौल पर भी सवालिया निशान लगता है। लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ बताती हैं कि छात्रों का मानसिक दबाव, संस्थागत संवेदनहीनता और सपोर्ट सिस्टम की कमी अब खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है।सरकार और प्रशासन कब जागेंगे? गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 को जब दीक्षा दुबे ने अपने दोस्तों के फोन का जवाब नहीं दिया, तो वे उसके कमरे में पहुँचे और कमरा अंदर से बंद पाया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीमें दोपहर करीब 3 बजे मौके पर पहुँचीं और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो वह मृत पाई गईं,' उन्होंने बताया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी सिविल अस्पताल भेज दिया गया है।

घटना के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आगे की कार्यवाही जांच के निष्कर्षों और परिवार के बयानों पर निर्भर करेगी। फरवरी से अब तक एनआईटी कुरुक्षेत्र में यह चौथा मामला दर्ज किया गया है। आपको बता दें 16 फरवरी को तेलंगाना निवासी अंगोद शिव (19) अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। प्रथम सेमेस्टर के छात्र अंगोद शिव संस्थान में कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) की डिग्री हासिल कर रहे थे। नूह के एक अन्य छात्र ने 31 मार्च को एनआईटी कुरुक्षेत्र में आत्महत्या कर ली।

तीसरी संदिग्ध मौत की सूचना 8 अप्रैल को मिली, जब हरियाणा के सिरसा निवासी प्रियांशु शर्मा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। वह सिविल इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्र थे। हाल ही में 16 अप्रैल बिहार की रहने वाली 19 वर्षीय बीटेक छात्रा दीक्षा दुबे ने बृहस्पतिवार को कथित तौर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद यह समिति गठित की गई है। छात्रा की मृत्यु के बाद परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। दीक्षा दुबे की मृत्यु पिछले दो महीनों में परिसर में हुई इस तरह की चौथी घटना थी। इतना ही नहीं 18 अप्रैल शनिवार देर रात करीब 12 बजे कल्पना छात्रावास में एक छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद अन्य छात्रों ने समय रहते उसे बचा लिया। बताया जा रहा है कि छात्रा ने एक मैसेज में लिखा था।

खास बात

राहुल गांधी पर एफआईआर के आदेश और निरस्ती करण

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सरकार के निशाने पर बने हुए हैं। राहुल गांधी पर दोहरी नागरिकता के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में एफआईआर दर्ज करने और सीबीआई जांच के आदेश जारी हुए। कुछ ही घंटे के बाद हाईकोर्ट ने अपने ही आदेश को निरस्त कर दिया। इस मामले में पहले भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होकर मामला खारिज हो चुकें है। बार-बार यह मामला घूम-फिर के निचली अदालतों से हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाता है। राहुल गांधी और न्याय पालिका दोनों ही एक दूसरे के लिए चुनौती बने हुए हैं। उनके कौन से पुण्य कर्म और पाप कर्म हैं, यह तो वही जाने। चमत्कार तो यह है, जिस हाईकोर्ट के जज ने आदेश जारी किया। उसी जज ने आदेश निरस्त भी कर दिया। यह चमत्कार कम ही देखने को मिलता है।

24 साल में मोदी का आखिरी दांव?

2001 में नरेंद्र मोदी का भाग्य खुला था। वह गुजरात के मुख्यमंत्री बने।मोदी भारत के पहले ऐसे भाग्यशाली व्यक्ति हैं। 24 साल मे वह जो चाहते थे, वही उनके भाग्य से हो रहा था।जिस तरह से महाबली रावण के पास राम रावण युद्ध के पहले नौ ग्रह केद थे। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास इस समय सारे संवैधानिक ग्रह उनके अधीन हैं। इसके बाद भी 24 साल में पहली बार परिसीमन बिल को लेकर, उन्हें संसद में हार का सामना करना पड़ा है। ज्योतिष के अनुसार उनके दो भाग्य टर्म 12-12 साल का पूरा हो चुका है। अब यह उनका आखिरी दांव है।देखें यह सफल होता है या नही। प्रधानमंत्री मोदी और महाबली रावण के भाग्य की तुलना होने लगी है। रावण के जब अच्छे दिन खत्म हो रहे थे,तब वह वनवासी राम के हाथों कुनबे के साथ मारे गए।यही सत्य है।

महिला आरक्षण बनाम सोनिया गांधी का सपना?

राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री थे। उन्होंने पंचायती राज मे महिलाओं को आरक्षण दिया। आज 15 लाख महिलाएं पंचायतों में सरपंच और अध्यक्ष बनकर काम कर रही हैं। 2023 में मोदी सरकार ने सभी राजनीतिक दलों की सहमति से 33 फ़ीसदी आरक्षण महिलाओं को देने का झुनझुना जरूर बजा दिया है। आरक्षण कब मिलेगा, इसको लेकर सरकार चुप है। भाजपा में महिलाओं को वैसे भी दोयम दर्जा प्राप्त है। मोदी सरकार ने परिसीमन और जनगणना की तलवार लटका रखी है। जब तक यह तलवार लटकी रहेगी। तब तक महिलाओं का समर्थन भाजपा को मिलता रहेगा? आरक्षण मिल जाएगा, तो समर्थन मिलेगा या नहीं, कुछ कहा नहीं जा सकता है। वैसे भी महिला आरक्षण का श्रेय सोनिया गांधी लेना चाहती हैं। मोदी जी के रहते यह संभव नहीं है।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त, पश्चिमे तिथि, अष्टमी, शुक्रवार, पुण्य नक्षत्रे, घृण/शूल योगे, विवकरणे, कर्क की चंद्रमा, उत्पात योगे, भद्रा 16/19 मूल प्रारंभ रात्रि 11/58 से तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, बुद्धिमान, दार्शनिक, कम्प्यूटर इंजीनियर, प्रोफेसर, प्रिंसपल, धनी-मानी, ज्ञानी, उत्तम वृत्ति वाला, बैंक कर्मचारी, लिपिक, लेखापाल, अकाउंटेंट, कैशियर, कर्मचारी होगा।

मेष राशि :- यात्रा वृत्ति से लाभ, कुसंग से हानि, गृह कलह तथा मानसिक अशांति अवश्य ही बनेगी।

वृष राशि :- आर्थिक व्यय, स्वजन कष्ट, विवाद, अस्थिर व अशांति का वातावरण बना ही रहेगा।

मिथुन राशि :- शुभ कार्य, भूमि से हानि, कार्य सिद्धी, लॉटरी-सट्टा से हानि की संभावना बनी रहेगी।

कर्क राशि :- धन हानि, रोगभय, नौकरी में चिन्ता, राजकार्य, गृहकार्य में व्यवस्था बनी रहेगी।

सिंह राशि :- कार्य में निराशा, खेती से लाभ तथा शत्रु-भय, उद्योग-व्य वसाय से लाभ होगा।

कन्या राशि :- शरीर कष्ट, राजलाभ, व्यय-भार बढ़ेगा, दाम्पत्य जीवन असमंजसपूर्ण रहेगा, ध्यान रखें।

तुला राशि :- चोटाग्नि भय, धार्मिक कार्य कष्ट, व्यापार में उलझन की स्थिति बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि :- बाधा, आरोप, धन लाभ, यात्रा-कष्ट, गृहकार्य, राजकार्य में रुकावट की स्थिति बनेगी।

धनु राशि :- रोग-भय, मुकदमे में जीत, मानसिक परेशानी, अपवाद तथा व्यर्थ उलझन बढ़ेंगी।

मकर राशि :- व्यापार में लाभ, शत्रु-भय, धन सुख, कार्यों में सफलता का योग, रुके कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि :- कलह, व्यर्थ खर्च, सफलता प्राप्त होगी, सामाजिक कार्यों में सफलता तथा रुकावट का अनुभव होगा।

मीन राशि :- स्वजन सुख, पुत्र चिन्ता, धन-हानि, राजकार्य में विलम्ब, परेशानी बन सकती है।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

24 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

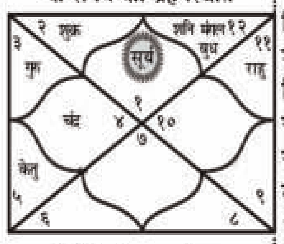

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.45 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	08.44 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.57 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.13 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.25 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.36 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.50 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	22.06 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	00.12 बजे से
		कुंभ	01.58 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मीन	03.31 बजे से
		मेष	05.01 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 114 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 19.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 20.15 बजे को समाप्त।
योग शूल 01.25 बजे रात्र को समाप्त।
करण विष्टि 08.02 बजे तदनन्तर बव 19.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 6.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12°48'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872689
जूलियन दिन 2461154.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद **तारीख** 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी, बगलामुखी जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कलेक्टर वर्मा की सख्ती : स्कूल बसों की सुरक्षा में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

मध्यान्ह भोजन सुरक्षा और पीएनजी के उपयोग पर जोर

इंदौर ▪ निसं

इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक वाहनों के सुरक्षित संचालन और शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना था। बैठक में जिले के विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, कॉलेजों के संचालक, निजी शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सचेत किया कि सुरक्षा प्रबंधों में किसी भी प्रकार की कोताही को स्वीकार नहीं किया जाएगा और लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के विषय पर किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रोशन राय, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा और जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी भार्गव सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी शैक्षणिक वाहनों की नियमित जांच अनिवार्य है। हर बस में अग्निशमन यंत्र का होना आवश्यक है। केवल उपकरण लगाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि स्कूलों को समय-समय पर सुरक्षा मॉक ड्रिल आयोजित करनी होगी ताकि आपात स्थिति में स्टाफ और विद्यार्थी बचाव के तरीकों से अवगत रहें। बसों में स्पीड गवर्नर लगाना अनिवार्य किया गया है ताकि गति नियंत्रित रहे। साथ ही, बच्चों को ड्राइवर के केबिन में बैठाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा और क्षमता से अधिक विद्यार्थी नहीं बैठाए जाएंगे। स्कूल संचालकों को ड्राइवरों के नाम, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड और लाइसेंस की जानकारी संकुल स्तर पर जमा करानी होगी।

स्कूलों में संचालित रसोई और मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था पर भी विशेष चर्चा की गई। कलेक्टर ने सुझाव दिया कि सुरक्षा की दृष्टि से स्कूलों की रसोई में पीएनजी कनेक्शन का उपयोग किया जाए। इसके साथ ही, भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए ताकि छात्रों को सुरक्षित और पौष्टिक आहार मिल सके।

यूनिफॉर्म और किताबों की मोनोपॉली पर रोक

अभिभावकों के हितों का ध्यान रखते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि स्कूल यूनिफॉर्म और किताबों की बिक्री में किसी भी प्रकार की मोनोपॉली या एकाधिकार व्यवस्था नहीं होनी चाहिए। ये सामग्रियां बाजार में सुगमता से उपलब्ध होनी चाहिए ताकि अभिभावकों को किसी विशेष दुकान या स्थान से खरीदने के लिए मजबूर न होना पड़े।

कॉलेजों में नशा मुक्ति के लिए बनेगी समितियां

उच्च शिक्षण संस्थानों और कॉलेजों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कलेक्टर ने विशेष समितियों के गठन के निर्देश दिए। ये समितियां परिसरों में निरंतर निगरानी रखेंगी और नशे की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले विद्यार्थियों या तत्वों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी।

बसों के संचालन के लिए विस्तृत निर्देश दिए

प्रशासन द्वारा बसों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। स्कूल बसों का रंग पीला होना और उन पर "स्कूल बस" लिखा होना अनिवार्य है। अनुबंधित बसों पर "ऑन स्कूल ड्यूटी" का बोर्ड होना चाहिए। बसों में फर्स्ट-एड बॉक्स, हॉरिजेंटल ग्रिल, जीपीएस और चालू हालत में सीसीटीवी कैमरे होना आवश्यक है। खिड़कियों पर पर्दे या काली फिल्म प्रतिबंधित रहेगी। बस चालकों के पास कम से कम 5 वर्ष का भारी वाहन चलाने का अनुभव होना चाहिए। छात्राओं के परिवहन के समय महिला अटेंडेंट या परिचालक की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। इसके अलावा, वर्षा ऋतु में जलभराव वाले पुलों से वाहन निकालने पर रोक और समय-समय पर चालकों की काउंसलिंग के निर्देश भी दिए गए हैं।

पक्षियों हेतु दाना-पानी अभियान

कनिष्का कुमावत, साईं कृपा इंदौर

भीषण गर्मी का कहर

प्यास से बेहाल वन्यजीव, इंदौर में बंदरों-नीलगाय का रेस्क्यू तेज

इंदौर ▪ निसं

दिनोदिन बढ़ते तापमान के चलते प्रचंड गर्मी के मौसम में प्यास और पानी की कमी बंदर सहित अन्य वन्यजीवों पर आफत बनकर टूट रही है। वन विभाग के अनुसार पानी की तलाश में बंदर जंगलों से गांव-शहर की बस्तियों तक जा पहुंचे हैं। पानी नहीं मिलने पर पेड़ की शाखाओं से प्यास के चलते चक्कर खाकर गिर रहे हैं।

कल शाम को वन विभाग ने अरबिंदो अस्पताल के पीछे पालिया गांव वालों की सूचना पर मौके पर पेड़ से नीचे गिरकर घायल हुए एक बंदर का रेस्क्यू कर कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय, मतलब चिड़ियाघर पहुंचाया। वन विभाग की रेस्क्यू टीम में शामिल तोताराम चौहान, अमन मालवीय और अमित तोमर ने 3 बंदरों के रेस्क्यू के बारे में बताया कि इसके पहले वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने देपालपुर के पास 2 बंदरों का भी रेस्क्यू किया, मगर इनमें से एक बंदर की पेड़ के ऊपर से नीचे गिरने के कारण मौके पर ही मौत हो गई थी, मगर दूसरे बंदर का चिड़ियाघर में इलाज कराया गया।

कुल 3 में से 2 बंदर स्वस्थ हैं। फॉरेस्ट रेंजर संगीता ठाकुर ने बताया कि गर्मी के चलते पानी की तलाश में बंदर ही नहीं नीलगाय सहित अन्य वन्यजीव भी जंगल छोड़कर इधर-उधर भटकते फिर रहे हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर सियासी बवाल

नरेंद्र मोदी को लेकर टिप्पणी पर भाजपा का तीखा हमला

इंदौर ▪ निसं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर राजनीति गरमा गई है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह की निम्न स्तरीय भाषा का उपयोग करना खड़गे और कांग्रेस की ओछी मानसिकता को दर्शाता है। उनका गैर जिम्मेदाराना बयान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गिनती विश्व के लोकप्रिय नेतागणों में होती हैं। वे हमारे देश की आन बान और शान है। खड़गे भी राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं।

भाजपा के शिविर में भाग लेने आए छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर देश की जनता ने चुना है। कांग्रेस के नेताओं को अपनी वाणी को संयत रखना चाहिए। खड़गे पहले भी उनके खिलाफ विवादित बयान दे चुके हैं। कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों में हमेशा बाधा बनती है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल को भी मंजूर नहीं होने दिया और इसका वह जश्न मना रही है। कांग्रेस को अपनी अमर्यादित टिप्पणी पर देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री यादव हुए शिविर में शामिल

मुख्यमंत्री मोहन यादव दोपहर तीन बजे इंदौर आए। वे एयरपोर्ट से सीधे डेली कॉलेज पहुंचे। यहां आयोजित भाजपा के एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में वे शामिल हुए। शिविर स्थल पर स्थानीय नेताओं ने उनकी अगवानी की। यादव ने शिविर को संबोधित भी किया और संगठन और सरकार से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी।

कार्तिक का बड़ा मिशन

कारगिल से कन्याकुमारी तक 4200 किमी दौड़

इंदौर ▪ निसं

इंदौर के अल्ट्रा रनर कार्तिक जोशी एक और रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर रहे हैं। वे कारगिल से कन्याकुमारी तक 4200 किलोमीटर की यात्रा दौड़कर पूरी करेंगे। कार्तिक 50 दिनों तक हर दिन 84 किलोमीटर दौड़कर अपने लक्ष्य को पूरा करेंगे। 28 अप्रैल से वे अपनी दौड़ शुरू करेंगे। इसके लिए कार्तिक इंदौर से कारगिल के लिए रवाना हो चुके हैं।

वे 50 दिनों तक रोज करीब 84 किलोमीटर दौड़ते हुए कुल 4200 किलोमीटर की दूरी तय कर कारगिल से कन्याकुमारी तक जून माह के अंत तक पहुँचेंगे। यह कारनामा करने वाले वे सबसे कम उम्र के भारतीय धावकों में से एक होंगे। कार्तिक को इस दौड़ को पूरा करने के लिए अलग-अलग मौसमों का भी सामना करना होगा। कारगिल के बर्फीले इलाकों से दौड़ शुरू करेंगे, लेकिन कन्याकुमारी तक आते-आते उन्हें कई गर्म इलाकों से भी गुजरना होगा। पहाड़ी रास्तों, मैदानी सड़कों और समुद्री इलाकों के बीच से दौड़कर कार्तिक अपनी यात्रा पूरी करेंगे।

भोजशाला धार विवाद: हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

98 दिन के सर्वे की वीडियोग्राफी सभी पक्षों को देने के निर्देश

इंदौर ▪ निसं

धार भोजशाला मामले में अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को मुस्लिम पक्ष सहित अन्य पक्षकारों को सर्वे की वीडियोग्राफी मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। हाईकोर्ट ने 27 अप्रैल तक सभी पक्षों को वीडियो क्लिप्स उपलब्ध कराने को कहा है। एएसआई की तरफ से यह भी कहा गया कि इतने फुटेज उपलब्ध कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि सर्वे 98 दिनों तक चला है और हर दिन की वीडियोग्राफी की गई है। कोर्ट ने कहा कि तकनीकी माध्यमों के जरिए इसे उपलब्ध कराया जाए।

धार स्थित भोजशाला मामले में नियमित सुनवाई चल रही है। दो पक्षकारों ने अपने तर्क प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा एएसआई को भी पक्ष रखने का मौका दिया गया। अब मुस्लिम पक्ष ने अपने तर्क रखे हैं और फिर वीडियोग्राफी की पुरानी मांग दोहराई है।

हाईकोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) को आदेश दिया है कि भोजशाला में किए गए सर्वे की पूरी वीडियोग्राफी सभी पक्षों को उपलब्ध कराई जाए। कोर्ट ने कहा है कि 27 अप्रैल तक हर हाल में वीडियो क्लिप्स संबंधित पक्षों को दी जाएं, ताकि वे इन वीडियो के आधार पर अपने तर्क पेश कर सकें।

जब भोजशाला मामले में सुनवाई हुई थी, तब मुस्लिम पक्ष की तरफ से सर्वे की वीडियोग्राफी मुहैया कराने की मांग की गई थी। इसके अलावा इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट की शरण भी ली गई थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

अब सुनवाई के दौरान फिर मुस्लिम पक्ष ने यह मांग दोहराई, तो कोर्ट ने सभी पक्षकारों को वीडियो फुटेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस आदेश के बाद आने वाली सुनवाई में वीडियो फुटेज महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि इसी आधार पर दोनों पक्ष अपने दावे और तर्क मजबूत करेंगे।आपको बता दें कि 98 दिनों तक एएसआई ने भोजशाला में अलग-अलग तकनीकों से सर्वे किया है और 2000 पेज से अधिक की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में खुदाई में मिले अवशेष और उन पर अंकित चित्रों के फोटो भी शामिल किए गए हैं।

लेंसकार्ट ड्रेस कोड विवाद: वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन का इंदौर में प्रदर्शन, बहिष्कार का ऐलान

इंदौर ▪ निसं

लेंसकार्ट की ड्रेस कोड नीति को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन मध्य प्रदेश ने इंदौर में कंपनी के शोरूम के बाहर प्रदर्शन करते हुए पूर्ण बहिष्कार का ऐलान किया। स्कीम-54 स्थित लेंसकार्ट शोरूम के बाहर हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें महिलाएं भी मौजूद रहीं। प्रदर्शनकारियों ने महिला कर्मचारियों को तिलक लगाया और कहा कि वे बिना किसी डर के अपने धार्मिक प्रतीकों के साथ काम करें। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने लेंसकार्ट के चश्मों का बहिष्कार करते हुए उन्हें तोड़कर विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम में सिद्धेश्वर धाम के पीठाधीश्वर स्वामी अतुल

आनंद महाराज भी मौजूद रहे और उन्होंने कंपनी की नीतियों का विरोध किया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने आरोप लगाया कि कंपनी की आंतरिक नीति में कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और कलावा जैसे हिंदू धार्मिक प्रतीकों के उपयोग पर रोक लगाई गई है, जबकि हिजाब को अनुमति दी गई है। उन्होंने इसे धार्मिक भेदभाव बताते हुए कड़ा विरोध जताया।

भागीरथपुरा पेयजल कांड: हाईकोर्ट सख्त, जांच आयोग को 14 जून तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

इंदौर ▪ निसं

इंदौर के चर्चित भागीरथपुरा पेयजल दूषित कांड को लेकर बुधवार को हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट के समक्ष जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा। हाईकोर्ट ने 14 जून तक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। अगली सुनवाई 16 जून को होगी। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण 35 लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार ने मृतकों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा दिया है। इस मामले में हाईकोर्ट में दो याचिकाएं लगी हैं। कोर्ट ने इस मामले में जांच आयोग गठित किया है। पिछली सुनवाइयों में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जवाब पेश हुआ था। उसमें 18 मौतें दूषित पेयजल के कारण स्वीकारी गई थीं। इसके अलावा एक जांच समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसमें उन्होंने पेयजल लाइन में दूषित पानी मिलने व अन्य कारण बताए थे, लेकिन अभी तक इस मामले में गठित आयोग की तरफ से रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। आयोग भागीरथपुरा के प्रभावित परिवारों से साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कह चुका है।

परदेशीपुरा में दर्दनाक घटना

युवती का सुसाइड, आखिरी मैसेज 'खुश रहना' ने छोड़े कई सवाल

इंदौर ▪ निसं

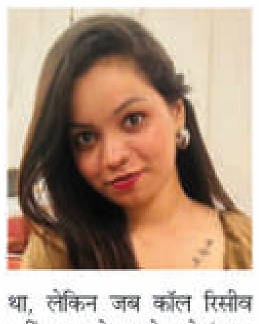

इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में एक 21 साल की एक युवती ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी, बताया जा रहा है कि आत्महत्या से ठीक पहले युवती ने अपने दोस्त को वीडियो कॉल किया था, लेकिन कॉल रिसीव न होने पर उसने एक आखिरी मैसेज 'खुश रहना' भेजा और फिर ये कदम उठा लिया।

दरअसल यह पूरा मामला इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के जनता क्वार्टर का है, जहां रहने वाली 21 वर्षीय नम्रता ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, आत्महत्या से पहले नम्रता ने अपने एक युवक दोस्त को वीडियो कॉल किया था, लेकिन जब कॉल रिसीव नहीं हुआ तो उसने उसे 'खुश रहना' लिखकर मैसेज किया, जिसके कुछ ही देर बाद उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, घटना की सूचना मिलते ही परदेशीपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा, पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग कनेक्शन की जांच तेज

इंदौर फिरौती कांड में आरोपी राजपाल प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया, बड़े खुलासे के संकेत

इंदौर ▪ निसं

इंदौर में हाल ही में सामने आए करोड़ों की फिरौती के मामलों में अब बड़ा खुलासा होने की उम्मीद है। क्राइम ब्रांच ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर के एक साथी राजपाल को खरगोन से प्रोडक्शन वारंट पर इंदौर लाया है, जिसमें पुलिस को शक है कि इन हाई-प्रोफाइल फिरौती मामलों के तार गैंग से जुड़े हो सकते हैं।

दरअसल, इंदौर में पिछले दिनों दो अलग-अलग मामलों में करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी गई थी, जिसमें दो पार्टनरों से 10 करोड़ और एक उद्योगपति से 5 करोड़ रुपये की डिमांड की गई थी, खास बात यह रही कि ये फिरौती कॉल वीपीएन नंबर के जरिए किए गए थे, जिससे आरोपियों की लोकेशन ट्रेस करना मुश्किल हो गया था, पुलिस को जांच में यह भी पता चला कि इसी तरह का घटनाक्रम खरगोन में भी सामने आया था, जिसमें एक जैसा होने के चलते क्राइम ब्रांच को शक गहरा गया, इसी कड़ी को जोड़ने और पूरे नेटवर्क तक पहुंचने के लिए राजपाल को इंदौर लाया गया है।

दुकानों से लेकर फ्लैट तक मची अफरा-तफरी

शहर में आग का कहर : एक ही रात में 8 जगह आगजनी

इंदौर ▪ निसं

शहर में जैसे-जैसे तापमान बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे आग लगने की घटनाएं भी बढ़ गई हैं। कल रात से आज सुबह तक आठ जगह आग लगने की घटनाएं हुईं। स्कीम 78 में पूजन सामग्री की दुकान एवं बाणगंगा में सुबह बैटरी की दुकान में आग लगी। मिली जानकारी के अनुसार कल रात 2 बजे के करीब स्कीम 78 पानी टंकी के पास स्थित शिवानी पिता सुरेंद्र पाठक की सांईनाथ फूल भंडार नामक पूजन सामग्री की दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। बताया जा रहा है कि दुकान के पास ही विद्युत ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ था। आग की चिंगारी दुकान पर गिरी, जिसने आग पकड़ ली। इस घटना में दुकान जलकर खाक हो गई।

मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने करीब 4.30 हजार लीटर पानी की मदद से आग पर काबू पाया। क्षेत्रीय रहवासियों ने भी आग बुझाने में मदद की। इसी प्रकार देर रात नेहरू नगर स्थित अमृतधाम गेट के पास एक फ्लैट में आग लगने की सूचना

पर दमकलकर्मी पहुंचे। हालांकि आग नीचे कचरे के ढेर में लगी थी, लेकिन धुआं फ्लैट तक पहुंच गया था। घटना के वक्त फ्लैट में एक महिला और उसका बच्चा सो रहे थे। शोर-शराबे की आवाज सुनकर वे जाग गए थे और सुरक्षित नीचे आ गए थे। कुछ देर के लिए यहां अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

धमाके के साथ फटी बैटरियां

आज सुबह 4 बजे बाणगंगा क्षेत्र की वृंदावन कॉलोनी में एक बैटरी की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। दुकान में रखी कुछ बैटरियां धमाके से फट गईं। इस घटना में बैटरी के अलावा लैपटॉप, चार्जर, मशीन जली है। रंजन पिता रमाशंकर की यह दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गई। फायरकर्मियों ने मौके पर जाकर 15000 लीटर पानी तथा 5 लीटर फोम का उपयोग कर आग पर नियंत्रण पाया। बंगाली चौराहे पर रात 3 बजे एक दुकान में आग लगने की घटना हुई। मौके पर कोई नहीं मिला, जिससे आकलन नहीं हो पाया कि दुकान किसकी है। सुबह-सुबह 60 फीट रोड पल्हर नगर में एक पंक्चर पकाने की दुकान में आग लग गई, जिससे दुकान में रखा सामान व पुराने टायर जल गए।

संक्षिप्त समाचार

फीफा वर्ल्ड कप में राजनीति ईरान की जगह इटली को खिलाने की मांग

न्यूयार्क । फीफा विश्व कप 2026 से पहले एक बड़ा विवाद सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दूत ने सुझाव दिया है कि टूर्नामेंट में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। इस प्रस्ताव ने फुटबाल के सबसे बड़े मंच पर राजनीति की एंट्री को लेकर बहस तेज कर दी है। दूत ने खुद किया प्रस्ताव का खुलासा ट्रंप के विशेष दूत पाओलो जाम्पोली ने इस सुझाव की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव उन्होंने जियानी इन्फैन्टिनो के सामने रखा। उन्होंने कहा, मैं पुष्टि करता हूं कि मैंने ट्रंप और (फीफा अध्यक्ष गियानी) इन्फैन्टिनो से सुझाव दिया कि वर्ल्ड कप में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। मैं इटली का रहने वाला हूं और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में अज़्ज़ूरी को देखना मेरा सपना है। चार खिताब के साथ उनके पास शामिल होने का मजबूत आधार है। इटली की गैरमौजूदगी भी बनी चर्चा चार बार की वर्ल्ड चैंपियन इटली इस बार क्वालिफाई नहीं कर पाई, जो फुटबाल जगत के लिए बड़ा झटका रहा। लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप से बाहर रहना इटली जैसी बड़ी टीम के लिए चौंकाने वाला है। इसी वजह से यह प्रस्ताव और भी ज्यादा चर्चा में आ गया है। क्या ईरान खेलेगा वर्ल्ड कप फिलहाल ईरान टूर्नामेंट का हिस्सा बना हुआ है। टीम पहले ही क्वालिफाई कर चुकी है और उसके ग्रुप मैच अमेरिका में होने तय हैं। हालांकि, पहले ईरान ने यात्रा और राजनीतिक तनाव को देखते हुए अपने मैच दूसरे देश में कराने की मांग की थी, लेकिन फीफा ने अब तक शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया है। क्या नियमों के तहत संभव है बदलाव फीफा के नियमों के मुताबिक, अगर कोई टीम टूर्नामेंट से हटती है तो उसकी जगह दूसरी टीम को शामिल किया जा सकता है। लेकिन यह प्रक्रिया आसान नहीं होती।

वोल्वाड्ट के शतक से दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को हराया

जोहानसबर्ग । कप्तान लौरा वोल्वाड्ट के शानदार शतक 115 रनों की सहायता से दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीका की टीम 3-0 से सीरीज में आगे हो गयी है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के अर्धशतकों से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाये। मेजबान गेंदबाज नाकुललुको मलाबा ने 2 विकेट जबकि दिन डी क्लार्क ने एक विकेट लिया।

आल इंडिया जूनियर टेनिस

अद्वीथ, रेयांश, दीविना व लावण्या अंतिम चार में, मेजबान खिलाड़ियों का दबदबा

इंदौर ■ एजेंसी

क्वार्टर फाइनल में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने दिखाए तेवर, महाराष्ट्र और गुजरात की चुनौती भी बरकरार

मध्यप्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब पर आयोजित क्वींस कालेज आल इंडिया टैलेंट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में बुधवार को मेजबान मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज कर बालक वर्ग में अद्वीथ भार्गव, रेयांश पटेल और बालिका वर्ग में दीविना धूपर व लावण्या शर्मा ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। अंडर-12 बालक एकल क्वार्टर फाइनल में मध्यप्रदेश के अद्वीथ भार्गव ने गुजरात के सान्या अग्रिया को 6-2, 6-3 से शिकस्त दी। एक अन्य मुकाबले में रेयांश पटेल ने अपनी लय बरकरार रखते हुए हमवतन समन्यु शुक्ला को 6-3, 6-0 से बाहर का रास्ता दिखाया।

ओजस मिश्रा ने भी अर्जुन बिंद्रा को 6-1, 6-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। हालांकि, अक्षज कुमार को महाराष्ट्र के विहान देवधर से कड़े संघर्ष के बाद 4-6, 7-5, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। अंडर-12 बालिका एकल में दीविना धूपर ने इरा सिंह के खिलाफ पहले सेट में कड़े प्रतिरोध के बाद 7-5, 6-0 से जीत दर्ज की। लावण्या शर्मा ने एकतरफा मुकाबले में सायेशा दशोरा को 6-0, 6-2 से पराजित किया। प्रिशा शर्मा ने एडीवा धाकड़ को 6-3, 6-0 से हराया, जबकि गुजरात की अरना खत्री ने अयाना पटवारी को 6-1, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। अंडर-12 बालक युगल वर्ग में अयांश संवत्सर और अर्जुन बिंद्रा की जोड़ी ने सान्या व सवीर अग्रिया को 3-6, 6-2, 11-9 के कड़े अंतर से हराकर उलटफेर किया। विहान देवधर और कियान बंसल की जोड़ी ने मानवीर सिंह व समन्यु शुक्ला को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी। बालिका युगल में दीविना धूपर और साम्भवी सिंह की जोड़ी ने अनाया व वेदांशी को 6-0, 6-0 से हराकर अपना दबदबा साबित किया। आदिवा धाकड़ और रीत सोनी की जोड़ी ने भी लावण्या व जीविका को टाइब्रेकर में 6-3, 1-6, 10-5 से शिकस्त दी।

क्रिकेट स्टेडियमों में भूजल उपयोग पर एनजीटी सख्त, भेजा नोटिस

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (प्रधान पीठ) ने राजधानी के क्रिकेट स्टेडियमों में भूजल उपयोग एवं आदेश अनुपालन न करने पर नोटिस जारी करते हुए कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को एनजीटी ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव, की अध्यक्षता में डॉ. ए. सेंथिल वेल एवं डॉ. अफरोज अहमद, विशेषज्ञ सदस्य की खंडपीठ ने आज क्रिकेट स्टेडियमों मे भूजल का उपयोग करने के मामले में की सुनवाई की।

पीठ ने वर्ष 2021 में पारित अपने पूर्व आदेश के अनुपालन की समीक्षा करते हुए कहा कि क्रिकेट मैदानों में भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकना एवं एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के उपचारित जल तथा वर्षा जल संचयन प्रणाली के उपयोग को सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार देश के कई स्टेडियमों ने न्यायालय के आदेशों का अनुपालन नहीं किया है जिसमें शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, रायपुर अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर डॉ. डी. वाई. पाटिल स्टेडियम, मुंबई भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, हैदराबाद बाराबती स्टेडियम, कटक हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम शामिल है। इन सभी के अधिवक्ता ने तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का आश्वासन दिया है।

एमपीसीए अंडर-22 क्रिकेट : शहडोल बना चैंपियन, फाइनल में रीवा को दी करारी मात

सत्यार्थ और कार्तिक के शतकीय प्रहार से शहडोल ने 135 रनों से जीता खिताबी मुकाबला

ग्वालियर/इंदौर ■ एजेंसी

सत्यार्थ कबीर शुक्ला (136) और कार्तिक परिहार (117) के बल्लों से निकले रनों के सैलाब ने शहडोल को एमपीसीए अंडर-22 क्रिकेट का नया सुल्तान बना दिया है। खिताबी मुकाबले में शहडोल के 330 रनों के विशाल लक्ष्य के सामने रीवा की टीम दबाव में ऐसी बिखरी कि पूरी पारी महज 195 रनों पर सिमट गई। 135 रनों की इस प्रचंड जीत के साथ ही शहडोल ने ग्वालियर की धरती पर ऐतिहासिक विजय गाथा लिख दी।

श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस निर्णायक मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी शहडोल की शुरुआत आक्रामक रही। सत्यार्थ कबीर शुक्ला ने कप्तानी धैर्य का परिचय देते हुए 147 गेंदों पर 136 रनों की दर्शनीय पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनका बखूबी साथ कार्तिक परिहार ने निभाया, जिन्होंने मात्र 103 गेंदों पर 117 रन ठोककर मैदान के चारों ओर रनों की वर्षा की। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 210 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी हुई, जिसने मैच का रुख पूरी तरह शहडोल की ओर मोड़ दिया। शहडोल ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 330 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। रीवा की ओर से रवि तिवारी ने 3 और आयुष शुक्ला ने 2 विकेट लिए, लेकिन वे रनों की गति पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे।

331 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी रीवा की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। सलामी बल्लेबाज अनंत वर्मा के 51 रनों के अर्धशतक और हर्षित दुबे के 38 रनों के संघर्ष के बावजूद टीम का मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह ढह गया। पूरी टीम 35.3 ओवरों में मात्र 195 रनों पर सिमट गई। शहडोल की ओर से गेंदबाजी में अक्षत द्विवेदी और कबीर कृष्णा ने दो-दो विकेट लेकर रीवा की जीत की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया।

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

चीनी निर्यातकों को मिलेगा राडटेप का लाभः बाम्बे हाई कोर्ट, कोर्ट ने जताई चिंता

मुंबई । बाम्बे उच्च न्यायालय ने निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि जिन चीनी निर्यातकों को सरकार की विशेष अनुमति और आवंटित कोटे के तहत चीनी निर्यात करने की इजाजत मिली थी, वे प्रतिबंधित श्रेणी में होने के बावजूद निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की वापसी (रोडटेप) योजना का लाभ प्राप्त करते रहेंगे। यह फैसला विनियमित जिंसों के निर्यातकों के लिए एक नजीर बन सकता है। न्यायालय ने 20 अप्रैल को एक संयुक्त फैसले में रिका ग्लोबल इम्पैक्स, श्री रेणुका शुगर्स सहित प्रमुख चीनी निर्यातकों द्वारा दायर याचिकाओं को स्वीकार कर लिया। अदालत ने राजस्व विभाग द्वारा रोडटेप लाभों से इनकार को मनमाना करार दिया। रोडटेप एक सरकारी योजना है जो निर्यात की गई वस्तुओं पर लगे अप्रत्यक्ष शुल्कों और करों को वापस करती है, जिससे भारतीय उत्पाद वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें। दरअसल, सरकार ने मई 2022 में चीनी के निर्यात को मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया था, ताकि देश में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके और कीमतें स्थिर रहें। हालांकि, उसी अधिसूचना में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग से विशेष अनुमति के साथ निर्यात की अनुमति भी दी गई थी। याचिकाकर्ताओं ने इन्हीं अनुमतियों के तहत निर्यात किया था, लेकिन सीमा शुल्क अधिकारियों ने यह कहते हुए लाभ देने से मना कर दिया कि चीनी एक प्रतिबंधित वस्तु है। अदालत ने केंद्र सरकार की विभिन्न उच्च न्यायालयों में अपनाई जा रही असंगत मुकदमेबाजी की रणनीति पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। इसने न्यायिक अराजकता जैसी स्थिति से बचने के लिए केंद्रीय व्यापार एवं कर कानूनों में एकरूपता सुनिश्चित करने हेतु एक स्पष्ट राष्ट्रीय मुकदमा नीति की आवश्यकता पर बल दिया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उछाल, ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर के ऊपर पहुंचा

अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली शांति वार्ता टल जाने और होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी के मसले पर दोनों देशों के आमने सामने आने से कच्चे तेल की सप्लाई ठप

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज लगातार चौथे दिन क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। ब्रेंट क्रूड आज 105.86 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक उछल गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज सौ डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब 97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के पार पहुंच गया। हालांकि बाद में कच्चे तेल की कीमत में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई।

अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली शांति वार्ता टल जाने और होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी के मसले पर दोनों देशों के आमने सामने आ जाने की वजह से इस प्रमुख समुद्री रास्ते के जरिये होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई लगभग ठप पड़ी हुई है और निकट भविष्य में इसके शुरू होने की संभावना भी नजर नहीं आ रही है। इसी वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है।

आज ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 100 डॉलर के ऊपर 101.66 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही यह उछल कर 105.86 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। भारतीय समय के अनुसार सुबह 9:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 1.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 103.76 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड में आज 92 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 92.69 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही यह उछल कर 97.22 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार 9:15 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.13 प्रतिशत की उछाल के साथ 94.97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

आपको बता दें कि फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में शुरू हुई इस जंग ने दुनिया के पेट्रोलियम बेस्ड एनर्जी मार्केट को हिला कर रख दिया है। इस जंग के कारण होर्मुज स्ट्रेट के लगभग बंद हो जाने से फारस की खाड़ी से होने वाली ऑयल और गैस की सप्लाई में जबरदस्त गिरावट आई है। अमेरीका ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए यहां नाकेबंदी कर रखी है। दूसरी ओर, ईरान अपनी ओर से होर्मुज को इंटरनेशनल ट्रैफिक के लिए बंद रखने की कोशिश में जुटा हुआ है। इसी कोशिश में बुधवार को ईरानी गनबोट्स ने ओमान के पास मालवाहक जहाजों पर फायरिंग भी की।

जानकारों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच तत्काल शांति वार्ता होने की संभावना नजर नहीं आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान जरूर किया है, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी जारी रखने की बात कह कर तनाव को और बढ़ा दिया है। दूसरी ओर, ईरान भी लगातार अमेरिका को सख्त जवाब देने की बात कह रहा है।

ओमान के पास मालवाहक जहाजों पर फायरिंग कर उसने ये भी जता दिया है कि वो अमेरिकी धमकी के आगे झुकने वाला नहीं है। ऐसे में इन दोनों देशों के हठी रवैये से लगने लगा है कि होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से मालवाहक जहाजों और ऑयल टैंकर्स का आना-जाना तत्काल संभव नहीं हो सकेगा। ऐसी स्थिति में दुनिया भर में कच्चे तेल की सप्लाई में परेशानी जारी रहेगी, जिसका परिणाम कच्चे तेल की कीमत में तेजी के रूप में देखा जा सकता है।

आनलाइन गेमिंग कंपनियों पर कड़े नियम 1 मई से लागू होंगे

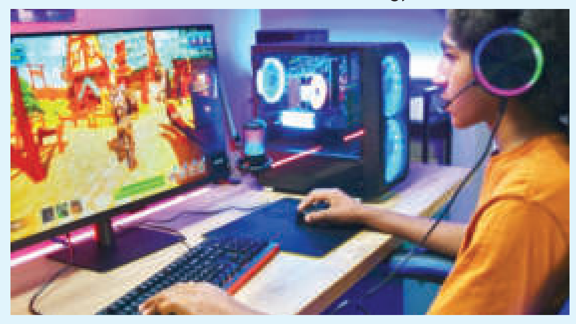

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने आनलाइन गेमिंग क्षेत्र को विनियमित करने और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देने और विनियमित करने का अधिनियम, 2025 के तहत नए प्रशासनिक नियमों को अधिसूचित कर दिया है। ये नियम 1 मई से पूरे भारत में प्रभावी हो जाएंगे। इसके तहत अब सभी गेमिंग कंपनियों को अपने उपयोगकर्ताओं को वित्तीय, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, सुरक्षा-संबंधी या सामग्री-संबंधी किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए सख्त सुरक्षा उपाय लागू करना अनिवार्य होगा। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी इन व्यापक नियमों का उद्देश्य जिम्मेदार आनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देना, पारदर्शिता बढ़ाना, खिलाड़ियों के लिए निश्चित विकल्प देना और आनलाइन गेमिंग की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके लिए प्रक्रियाओं, संचालन, व्यवहार और प्रणाली संबंधी सुरक्षा उपायों को अनिवार्य किया गया है। इन नियमों के क्रियान्वयन और निगरानी के लिए भारत में एक छह सदस्यीय आनलाइन गेमिंग प्राधिकरण का भी गठन किया गया है। इस प्राधिकरण की अध्यक्षता आईटी मंत्रालय के एक अतिरिक्त सचिव रैंक के अधिकारी करेंगे। गृह मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, युवा मामले और खेल मंत्रालय और विधि विभाग के संयुक्त सचिव रैंक के अधिकारी इसमें पदेन सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। नए नियमों के अनुसार, सभी प्रकार के ई-स्पोर्ट्स को अनिवार्य रूप से प्राधिकरण के साथ पंजीकृत कराना होगा। हालांकि, किन अन्य खेलों या गेमिंग कंपनियों को प्राधिकरण के साथ पंजीकरण करने की आवश्यकता होगी, इसका निर्धारण अभी किया जाना बाकी है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में आज लगातार चौथे दिन कमजोरी नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी बुधवार के भाव 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,890 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42, 490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

रियल एस्टेट में रिकार्ड पूंजी प्रवाह, पहली तिमाही में 5.1 अरब डालर निवेश

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के रियल एस्टेट क्षेत्र ने 2026 की पहली तिमाही में रिकार्ड 5.1 अरब डालर का पूंजी निवेश आकर्षित किया है। यह सालाना आधार पर 72 प्रतिशत (2025 की पहली तिमाही के 2.9 अरब डालर से) और पिछली तिमाही की तुलना में 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय रियल एस्टेट के बुनियादी आधार में संस्थागत निवेशकों के लगातार बढ़ते भरोसे को उजागर करता है।

रियल एस्टेट परामर्श फर्म सीबीआरई साउथ एशिया ने यह जानकारी दी है। सीबीआरई के आंकड़ों के अनुसार यह अब तक किसी भी तिमाही में हुआ सर्वाधिक पूंजी निवेश है। मुख्य रूप से डेवलपर इस प्रवाह के अग्रणी रहे, जिनके बाद रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कुल इक्विटी निवेश में घरेलू निवेशकों का दबदबा रहा, जिनकी हिस्सेदारी 96 प्रतिशत थी। इनमें डेवलपरों का हिस्सा 42 प्रतिशत और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का 40 प्रतिशत रहा। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का निवेश 2 अरब डालर के पार पहुंच गया, जो पिछली तिमाही की तुलना में कई गुना वृद्धि है। यह पूंजी प्रवाह मुख्य रूप से निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों और जमीन/विकास स्थलों के अधिग्रहण में केंद्रित रहा, जिनकी कुल निवेश में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी थी। जमीन अधिग्रहण का 73 प्रतिशत से अधिक हिस्सा मिले-जुले उपयोग और आवासीय परियोजनाओं में लगाया गया, जबकि शेष कार्यालय, वेयरहाउसिंग और आतिथ्य-सत्कार विकास में गया। सीबीआरई के एक अधिकारी ने मजबूत आर्थिक ढांचे और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की गतिविधियों में वृद्धि को उत्साहजनक बताया, जो एक परिपक्व होते बाजार का संकेत है। उन्होंने भविष्य में विदेशी पूंजी के जोरदार वापसी की उम्मीद जताई। वहीं, सीबीआरई के एक अन्य अधिकारी ने गुणवत्तापूर्ण आफिस स्पेस और मिश्रित उपयोग व आवासीय विकास के लिए भूखंड अधिग्रहण में बढ़ती प्राथमिकता पर जोर देते हुए बाजार के मजबूत दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य के निवेश को प्रतिफल-केंद्रित आय वाली परिसंपत्तियों और उच्च-वृद्धि के अवसरों के बीच रणनीतिक संतुलन से परिभाषित होने की उम्मीद जताई।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल सरकार ने 24 घंटे में ही संसद अधिवेशन बुलाने के फैसले को स्थगित किया

काठमांडू। नेपाल सरकार ने संसद अधिवेशन बुलाने की सिफारिश को 24 घंटे के भीतर ही वापस ले लिया है। बुधवार को ही राष्ट्रपति भवन से एक सूचना जारी कर 30 अप्रैल से संसद के दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन आहूत करने का आह्वान किया गया था। लेकिन आज सरकार की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति भवन से संसद अधिवेशन को फिलहाल नहीं बुलाये जाने की सूचना दी गई है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की अध्यक्षता म हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में संसद की बैठक को स्थगित करने की सिफारिश करने का फैसला किया गया। सरकार की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति भवन से एक और सूचना जारी कर 30 अप्रैल से बुलाई गई संसद के अधिवेशन को स्थगित करने की जानकारी दी गई। संसद स्थगित करने के लिए विशेष कारण बताया गया है। राष्ट्रपति भवन से जारी सूचना में कहा गया है कि मंत्रिपरिषद की सिफारिश के बाद बुलाई गई संसद अधिवेशन को विशेष कारण वश मंत्रिपरिषद की दुबारा सिफारिश के बाद स्थगित किया जाता है।

इजराइल और लेबनान के बीच सीधी वार्ता के दूसरे दौर की मेजबानी करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। इजराइल और लेबनान के प्रतिनिधियों के बीच सीधी बातचीत का दूसरा दौर आज यहां विदेश विभाग में शुरू होगा। दोनों देशों के बीच 10 दिवसीय संघर्ष विराम लागू है। इस अवधि 26 अप्रैल को खत्म होनी है। पहले दौर की वार्ता के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 16 अप्रैल को इस संघर्ष विराम की घोषणा की थी। लेबनान में सक्रिय ईरान समर्थक आतंकी समूह हिजबुल्लाह इस वार्ता का शुरू से विरोध कर रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार इजराइली और लेबनानी प्रतिनिधि गुरुवार को वाशिंगटन में कूटनीतिक वार्ता के दूसरे दौर के लिए मिलने वाले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लेबनान में संघर्ष विराम की चाबी ट्रंप के पास है। इजराइल अपनी आत्मरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है। वह लेबनान में हिजबुल्लाह पर लगातार हमले कर रहा है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रो. फवाज गर्गेस ने कहा, 'सिर्फ राष्ट्रपति ट्रंप ही अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू पर सचमुच दबाव डाल सकते हैं। इजराइल उनके अलावा किसी का दबाव स्वीकार नहीं करेगा।' उन्होंने कहा ट्रंप ने ही सोशल ट्रुथ पर संघर्ष विराम का एलान किया था। प्रो. गर्गेस ने कहा कि पहले दौर में दोनों देशों के बीच हुआ समझौता इजराइल को 'आत्मरक्षा में सभी जरूरी कदम उठाने के अपने अधिकार को बनाए रखने' की इजाजत देता है। लेबनान सरकार को हिजबुल्लाह को हमले करने से रोकना होगा।

अमेरिकी नौसेना सचिव जॉन फेलन बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका नौसेना के बड़े अधिकारी को ट्रंप प्रशासन से विदा कर दिया गया है। पेंटागन ने बुधवार को नौसेना सचिव जॉन फेलन की बर्खास्तगी की आधिकारिक घोषणा की। घोषणा में कहा गया, ''नौसेना सचिव जॉन फेलन 'तत्काल प्रभाव से' ट्रंप प्रशासन छोड़ देंगे।'' ईरान के साथ जारी टकराव के बीच फेलन को इस तरह हटाए जाने से वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सकते में हैं। एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जॉन फेलन का जाना 'तुरंत प्रभावी' होगा। नौसेना के अवर सचिव हंग काओ को कार्यवाहक सचिव नियुक्त किया गया है। पार्नेल ने लिखा, 'युद्ध सचिव और उप युद्ध सचिव की ओर से हम विभाग और संयुक्त राज्य की नौसेना के प्रति उनकी सेवा के लिए सचिव फेलन के आभारी हैं। हम उन्हें भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।' फेलन हाल के महीनों में ट्रंप प्रशासन से विदा होने वाले उच्च-रैंकिंग वाले सैन्य नेता हैं। नौसेना ने उन्हें हटाए जाने का कोई कारण नहीं बताया है। कुछ हफ्ते पहले इसी तरह सेना के चीफ ऑफ स्टाफ़ रैंडी जॉर्ज को भी हटाया जा चुका है।

नेपाल में भारतीय तीर्थयात्रियों की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, एक बच्चे की मौत, 21 घायल

काठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र स्वर्गद्वारी में भारतीय तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही एक जीप दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसमें सवार 21 भारतीय तीर्थ यात्री घायल हो गए हैं। पुलिस के अनुसार भिंग्री से स्वर्गद्वारी मंदिर की ओर जा रही (लु 1 ज 3175) नंबर की मुस्तांग जीप अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में 21 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 5 बच्चे शामिल हैं। घायलों में से 10 लोगों को बेहतर इलाज के लिए बुटवल के अस्पताल में रेफर किया गया है। मृत बच्चे की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। बताया गया है कि जीप सड़क से करीब 25 से 30 मीटर नीचे गिर गई थी। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए भिंग्री प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

भारत-ब्रिटेन वार्षिक रणनीतिक संवाद में रक्षा एवं रणनीतिक सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच 'वार्षिक रणनीतिक संवाद' कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने अपने ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन पॉवेल की मेजबानी की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि यहां गुरुवार को हुई इस बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापक मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझीदारी को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसमें रक्षा और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया।

तमिलनाडु में मतदाताओं का स्वागत करने वाले 'रोबोट' ने खींचा लोगों का ध्यान

वेल्लोर ■ एजेंसी

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार सुबह 7 बजे से मतदान जारी है। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग मतदान केंद्रों पर पहुंच कर अपनी बारी का इंतजार करते देखे जा रहे हैं।

इसी क्रम में, वेल्लोर ज़िले के गुडियात्तम में बनाए गए एक मतदान केंद्र ने खास ध्यान आकर्षित किया है। यहां मतदाताओं के स्वागत के लिए दावणी (पारंपरिक पोशाक) पहने एक 'महिला रोबोट' को लगाया गया है, जो हाथ में गुलाब के फूल लेकर तमिल भाषा में मधुर स्वर में मतदाताओं का स्वागत कर रही है। इस 'पिंक बूथ' (महिला कर्मियों द्वारा

संचालित मतदान केंद्र) में की गई इस अनोखी पहल को देखने के लिए लोग उत्साहित नजर आए। कई लोगों ने रोबोट के साथ तस्वीरें खिंचवाई। इसी तरह वेल्लोर के एक स्कूल में बने मतदान केंद्र पर भी मतदाताओं के स्वागत के लिए रोबोट की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, कोयंबटूर में भी चुनाव आयोग ने मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए विशेष पहल की है। कोयंबटूर के गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज में बनाए गए एक मॉडल मतदान केंद्र पर 'टीना' नाम की एक रोबोट को तैनात किया गया है। यह रोबोट मतदाताओं को चॉकलेट और फूल देकर स्वागत करती है और स्पीकर के माध्यम से मतदान के लिए लाए जाने वाले जरूरी दस्तावेज, मतदान केंद्र पर उपलब्ध नागरिक सुविधाओं और मतदान के महत्व के बारे में जानकारी देती है। इससे मतदान के प्रति उत्साह और बढ़ा है। अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के नवाचारों का उद्देश्य चुनाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करना है।

विधानसभा में विश्वास मत प्रस्ताव पारित

बिहार सीएम सम्राट चौधरी ने साबित किया बहुमत

पटना ■ एजेंसी

सम्राट चौधरी ने साबित किया बहुमत, विधानसभा में विश्वास मत प्रस्ताव पारितबिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा में विश्वास मत प्रस्ताव पेश किया, जो बहुमत से पारित हुआ। विश्वास मत प्रस्ताव ध्वनि मत से पास हो गया। तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले विपक्ष ने वोटिंग की मांग नहीं रखी, जिससे सरकार ने आसानी से बहुमत साबित कर दिया। वैसे भी यह एक प्रक्रिया मात्र थी। राज्य की एनडीए सरकार के पास पूर्ण बहुमत है। गठबंधन के पास विधानसभा में कुल 201 सदस्य हैं।

सीएम सम्राट चौधरी के पास बीजेपी, जेडीयू, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास, हम और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के 201 विधायकों का समर्थन है। 243 सीटों वाले बिहार विधानसभा में एनडीए के पास दो तिहाई बहुमत से भी ऊपर की संख्या है। फिलाहल, सदन में कुल 242 विधायक ही हैं क्योंकि बीजेपी विधायक नितिन नवीन जो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने राज्यसभा सांसद बनने के बाद विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था। वे पटना की बांकीपुर सीट से विधायक थे।

हालांकि, सदन में विश्वासमत पेश और पारित कराने के बीच विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच टकराव भी देखने को मिला। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और सम्राट चौधरी आमने सामने नजर आए। इलेक्टेड सीएम और सेलेक्टेड सीएम के मुद्दे पर वो हमलावर दिखे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान 25 से 30, फिर से नीतीश बोलकर बीजेपी ने अब नीतीश कुमार को फिनिश कर दिया है। साथ ही उन्होंने सम्राट चौधरी से कहा कि वो अपनी पगड़ी संभाल कर रखे क्योंकि उसपर विजय सिन्हा की नजर है।

नेता प्रतिपक्ष के आरोपों का उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि 25 से 30 तक नीतीश कुमार के ही मार्गदर्शन में सरकार चलेगी। इस बात में कोई दो राय नहीं है। 2020 में कम सीट आने के बाद भी बीजेपी ने जेडीयू के नेता नीतीश कुमार का सम्मान किया और उदारता से उनके नेतृत्व में सरकार बनाई। उन्होंने कहा कि इस महीने नीतीश कुमार से सम्राट चौधरी को सहज सत्ता हस्तांतरण मिसाल बन गया है। यह एक ऐतिहासिक फैसला है। एनडीए के प्रति जनता का विश्वास अटूट है। बता दें कि में शामिल सभी पार्टियों ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री और बिजेंद्र यादव व विजय चौधरी को उपमुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। विपक्ष के नेताओं ने तीखे सवाल उठाए।

हालांकि, अंत में उन्होंने मत विभाजन की मांग नहीं की, जिससे सरकार को राजनीतिक तौर पर सीधी बढ़त मिल गई। इस तरह बिहार में सम्राट चौधरी की सरकार की स्थिरता पर औपचारिक मुहर लग गई।

पहले चरण के मतदान में जमकर हुई हिंसा, निष्पक्ष मतदान पर उठे सवाल

कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान गुरुवार को 16 जिलों की 152 सीटों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। कई संवेदनशील इलाकों में हिंसा, बूथों पर तनाव, ईवीएम में खराबी और सुरक्षा बलों के खिलाफ शिकायतों को लेकर माहौल तनावपूर्ण बना रहा। विपक्षी दलों ने निष्पक्ष मतदान पर सवाल उठाए हैं, जबकि सत्तारूढ़ दल ने आरोपों को राजनीतिक बताया है।

सबसे गंभीर घटनां दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुमारगंज विधानसभा क्षेत्र का मामला शामिल रहा। यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी शुभेंदु सरकार ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला कर मारपीट की।

बताया कि वह मतदान केंद्रों का दौरा कर रहे थे, तभी कहासुनी के बाद कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें भीड़ उन्हें घेरकर हमला करती दिखाई दे रही है। इस दौरान उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करता नजर आया। शुभेंदु सरकार ने आरोप लगाया कि उनके मतदान एजेंटों को कई बूथों से बाहर निकाला गया था और जब वह बूथ संख्या 24 पहुंचे, तभी उन पर हमला हुआ।

बीरभूम जिले के लाभपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के पोलिंग एजेंट पर हमला किए जाने का आरोप लगा। विश्वजीत मंडल नामक कार्यकर्ता के सिर पर गंभीर चोट आई और उनका सिर फट गया। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया। वहीं जिले के दुबराजपुर विधानसभा क्षेत्र के खैराशोल इलाके में मतदान के अंतिम चरण में फिर तनाव भड़क गया। आरोप है कि मतदान मशीन में खराबी के कारण लगभग आधे घंटे तक मतदान रुका, जिसके बाद मतदाता आक्रोशित हो गए।

केंद्रीय बलों और लोगों के बीच तीखी बहस हुई। सुरक्षा बलों पर पथराव की कोशिश हुई, एक पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की गई और कुछ जवान घायल हो गए। इसका एक वीडियो सामने आया है जिसमें पुलिस अधिकारी बंदूक निकाल कर उपद्रवियों की ओर तानते नजर आ रहे हैं। इस तरह भीड़ को खदेड़ा गया।

अमेरिका-ईरान संघर्ष : ईंधन की भारी कमी से बांग्लादेश में मोबाइल नेटवर्क बंद होने का खतरा

ढाका ■ एजेंसी

दुनिया के सबसे प्रमुख जलमार्गों में से होर्मुज पर अमेरिका और ईरान के बीच अब भी संघर्ष चल रहा है और हाल फिलहाल में कोई राहत भी मिलती नहीं दिख रही है। ऐसे में कई देशों में हालात बाद से बदतर होते जा रहे हैं। भारत के पड़ोस में बांग्लादेश में तो अब इंटरनेट ठप पड़ने के हालात बन पड़े हैं। ईंधन की भारी कमी के चलते बांग्लादेश में मोबाइल नेटवर्क पर बड़े स्तर पर बंद होने के खतरा मंडरा रहा है।

बता दें करीब 17 करोड़ की आबादी वाले बांग्लादेश के लिए हालात इसीलिए बिगड़ गए हैं क्योंकि वह अपनी तेल और गैस जरूरतों का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा आयात से पूरा करता है। इसमें से ज्यादातर तेल मिडिल ईस्ट से ही आता है। अब होर्मुज में शिपिंग रूट बाधित होने से बांग्लादेश में हाहाकार मच गया है। ढाका समेत कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर 12-12 घंटे लंबी कतारें लग रही हैं। हालात को संभालने के लिए

सरकार ने हाल ही में डीजल की कीमतों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी भी की है। बिजली संकट के कारण गारमेंट उद्योग पहले ही प्रभावित हो चुका है, जहां उत्पादन में करीब 30 फीसदी तक गिरावट दर्ज की गई है। अब इसकी आंच इंटरनेट तक पहुंच गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीते सोमवार को बांग्लादेश के मोबाइल टेलीकाम आपरेटर्स के संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने तुरंत दखल नहीं दिया, तो मौजूदा हालात में सेवाओं को जारी रखना संभव नहीं रह जाएगा। बता दें बिजली कटौती के दौरान अपने डेटा सेंटर और नेटवर्क टावर चलाने के लिए डीजल जनरेटर पर निर्भर रहती हैं, लेकिन अब रोजाना 5 से 8 घंटे की बिजली कटौती हो रही है, जिससे स्थिति बिगड़ गई है। डेटा सेंटर आपरेटर का दिमाग होता है। अगर यह बंद हो गया, तो पूरा नेटवर्क ठप हो जाएगा। अगर नेटवर्क बंद हुआ, तो सिर्फ काल और इंटरनेट ही नहीं, बल्कि एसएमएस और बैंकिंग सेवाएं भी ठप हो सकती हैं।

रेल मंत्री वैष्णव ने गर्मियों के मौसम में अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की समीक्षा की

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मुंबई (एलटीटी, सीएसएमटी, पुणे सहित), सूरत (उधना सहित), अहमदाबाद, बेंगलुरु आदि जैसे स्टेशन क्षेत्रों में यात्रियों की आवाजाही बेहतर करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के तहत, पश्चिमी रेलवे द्वारा उधना स्टेशन पर वास्तविक समय में भीड़ प्रबंधन, बेहतर जमीनी सहायता और कुशल ट्रेन संचालन के ज़रिए किए गए सक्रिय उपाय दर्शाते हैं कि क्षेत्रीय स्तर की पहलें यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और परेशानी मुक्त यात्रा अनुभव प्रदान करने के राष्ट्रीय प्रयास में किस तरह असरदार साबित हो रही हैं। अपने गृह नगरों की यात्रा करने वाले मुसाफिरों पर खास ध्यान दिया गया है और सुगम बोर्डिंग प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए जमीनी व्यवस्था में सुधार किए गए हैं।

भोपाल। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली में अधिकारियों के साथ बैठक में गर्मियों के दौरान चलाई जा रही विशेष ट्रेनों की प्रगति की समीक्षा की। भारतीय रेलवे यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने और यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए उच्च मांग वाले मार्गों और गलियारों पर बड़े पैमाने पर विशेष ट्रेनों का संचालन कर रहा है। गर्मियों के दौरान के व्यस्ततम समय (15 अप्रैल-15 जुलाई 2026) के दौरान, रेलवे कनेक्टिविटी बढ़ाने और भीड़भाड़ कम करने के लिए 18,262 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बना रहा है। अब तक 11,878 ट्रेनों की अधिसूचना जारी की जा चुकी है और शेष ट्रेनों की अधिसूचना भी यात्रियों की सुविधा के लिए जारी की जा रही है। यह बड़े पैमाने पर संचालन, बेहतर रेल व्यवस्था, अनुकूलित समय-सारणी और निरंतर निगरानी द्वारा समर्थित एक सुनियोजित नज़रिए को दर्शाता है।

इन कोशिशों के तहत, यात्रियों को उनके गृह नगर जाने में सुविधा प्रदान करने के लिए स्टेशन पर बेहतर और सुव्यवस्थित व्यवस्था लागू की गई है। ट्रेन संख्या 19045 उधना-थावे ताप्ती गंगा एक्सप्रेस में, आरपीएफ कर्मियों ने यात्रियों को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से ट्रेन में चढ़ने में सहायता की और भीड़ नियंत्रण बनाए रखने तथा यात्रा बेहतर करने के लिए गाड़ी में चढ़ने और बैठने की प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से प्रबंधित किया गया। भारतीय रेलवे व्यस्त यात्रा अवधियों के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए वह सक्रिय योजना और त्वरित परिचालन को प्राथमिकता देता है।

पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौती को अवसर में बदलें, युवा चिकित्सक : राज्यपाल

वर्षों के अनुशासित प्रयासों और त्याग की परिणति है दीक्षांत समारोह

ऋषिकेश ■ एजेंसी

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि दीक्षांत समारोह न केवल वर्षों के अनुशासित प्रयासों और त्याग की परिणति है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी की शुरुआत भी है। उन्होंने स्नातकों से समर्पण और उद्देश्य की भावना के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को निभाने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन गुरुवार को ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने छात्र छात्राओं को पदक और उपाधियां वितरित कीं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह न केवल वर्षों के अनुशासित प्रयासों और त्याग की परिणति है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी की शुरुआत भी है। उन्होंने स्नातकों से समर्पण और उद्देश्य की भावना के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को निभाने का आग्रह किया। उन्होंने ऋषिकेश को चिंतन और उपचार का वैश्विक केंद्र और हिमालय का प्रवेश द्वार बताते हुए उसके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसा वातावरण दीक्षांत समारोह की गंभीरता को और भी गहरा कर देता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सतत नवाचार और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत के व्यापक टीकाकरण अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 14 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त टीके लगाए गए, जिससे स्वास्थ्य सेवा तक समान पहुंच सुनिश्चित हुई। उन्होंने कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों ने लाभ के लिए नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण के लिए टीके विकसित किए हैं। उपराष्ट्रपति ने भारत की वैक्सीन मैत्री पहल के माध्यम से वैश्विक जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया, जिसके तहत 100 से अधिक देशों को टीके उपलब्ध कराए गए। उन्होंने कहा कि यह पहल ''वसुधैव कुटुंबकम'' की भावना को दर्शाती है और एक दयालु और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पिछले एक दशक में देश भर में स्थापित नए एम्स संस्थानों ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच को मजबूत किया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् सीहोर जिला सीहोर (म.प्र)

ई-निविदा सूचना
मध्यप्रदेश शासन
प्रथम आमंत्रण

एन.आई.टी./1756/वि.शा./ई टेण्डर/2026 — सीहोर, दिनांक 23.04.2026

निम्नलिखित निर्माण हेतु ठेकेदार और ख्याति फर्म्स से जो निविदा मानदंडों को पूरा करती हो ऑनलाईन बोली आमंत्रित हैं-

क्र	क्र.सं./ पैकेज	आपूर्तियां	संभावित राशि	अमानत राशि	निविदा शुल्क	समयावधि
1	2026 _UAD _502618_1	Supply and Installation Of 200KvA Transformer Near Bhopal Naka under Municipal Council Sehore	728533/-	7300/-	2000/-	1 माह

1- इच्छुक बोलीदाता वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर NIT देख सकते है।
2- बोली दस्तावेज सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर दिनांक 17:00 (time) 23.04.2026 to 17:30 (time) 09.05.2026 तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं।
3- NIT में संशोधन, यदि कोई होता है, तो केवल वेबसाईट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नहीं।

(विकास प्रिंस राठौर)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद सीहोर

(सुधीर कुमार)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीहोर

करुणाधाम में भव्य शिवार्चना केन्द्र का हुआ भूमि-पूजन

शिवलाय का शिखर होगा 150 फीट ऊँचा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

करुणाधाम आश्रम में पीठाधीश्वर गुरुदेव श्री सुदेश शाण्डिल्य महाराज के निर्देशन में भव्य शिवालय शिवार्चना केन्द्र का भूमि-पूजन पूजन-अर्चन एवं विधि-विधान से किया गया। भव्य शिवालय का शिखर 150 फीट ऊँचा होगा। गुरुदेव श्री शांडिल्य महाराज ने बताया कि लगभग 55 हजार वर्गफुट क्षेत्र में बनने वाला शिवालय प्रमुख धार्मिक केन्द्र आस्था, वास्तुकला और साज-सज्जा सहित आधुनिक सुविधाओं के अद्भुत संगम का केन्द्र बनने जा रहा है। इसकी अनुमानित लागत लगभग 22 करोड़ होगी, जिसे पूरा करने में करीब 4 वर्ष लगेंगे।

शिवालय का निर्माण राजस्थान के प्रसिद्ध धौलपुर पत्थर से किया जायेगा। इसकी मजबूती और भारतीय स्थापत्य शैली प्राचीनता को दर्शायेगी। शिवालय परिसर केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, एक समग्र आध्यात्मिक केन्द्र के रूप में विकसित किया जायेगा। परिसर में हरियाली, फाउण्टेन और पार्क का निर्माण भी होगा, जिससे श्रद्धालुओं को शांत और सकारात्मक वातावरण की अनुभूति होगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये बेसमेंट पार्किंग की व्यवस्था भीड़ नियंत्रण में सहायक होगी। इसके अलावा परिसर में पुस्तकालय का निर्माण होगा, जिसमें धार्मिक ग्रंथों के साथ अन्य ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों का संग्रहण किया जायेगा। मेडिटेशन के लिये विशेष ध्यान कक्ष भी बनाया जा रहा है।

श्योपुर में हाईवे पर फेंकी थी ढाई साल की मासूम

केयर टेकर के चौंकाने वाले खुलासे- मुझसे संपर्क कर कहा था 'बच्ची को रख लो'

भोपाल ■ अमृत दर्शन

श्योपुर में हाईवे पर ढाई साल की मासूम बच्ची को फेंकने के मामले में भोपाल में रहने वाली उसकी केयर टेकर बबीता नाविक ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। बबीता का दावा है कि खुद को बच्ची का पिता बताने वाला आकाश मौर्य करीब एक महीने पहले उनके घर आया था और बच्ची को अपने पास रखने का प्रस्ताव दिया था, साथ ही पूरी कानूनी प्रक्रिया कराने की बात कही थी।

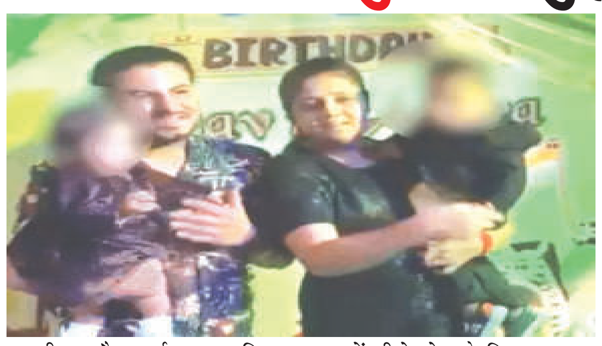

तीन महीने की उम्र में लाए थे बच्ची: बबीता के अनुसार, आरोपी दंपती आकाश और कृतिका करीब तीन महीने की उम्र में बच्ची को अपने साथ लाए थे। दो साल तक बच्ची उनके पास रही, लेकिन इस दौरान उसके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया जाता था। बबीता ने बताया कि उन्हें बच्ची पर दया आती थी और वे उसे बचाने के लिए कई बार दंपती से मिन्नतें करती थीं। बच्ची उनसे काफी जुड़ गई थी और उनसे अलग होने पर डरती थी।

सैलरी न मिलने पर छोड़ा काम: बबीता ने बताया कि उन्हें बच्चों की देखरेख के लिए 20 हजार रुपए महीने पर रखा गया था, लेकिन तीन महीने तक सैलरी नहीं मिली। बच्ची के साथ हो रहे अत्याचार और वेतन न मिलने के कारण उन्होंने काम छोड़ दिया। उनका आरोप है कि बच्ची की खास देखभाल करने पर दंपती को आपत्ति होती थी।

नहीं दिखा सके गोद लेने के दस्तावेज: श्योपुर पुलिस ने दंपती से बच्ची को अडप्ट किए जाने के दस्तावेज मांगे हैं। अब तक दंपती दस्तावेज नहीं दिखा सकी है। अब पुलिस दंपती से बच्ची के असल मां और पिता की जानकारी हासिल कर रही है। पुलिस बच्ची के असल मां पिता से भी बातचीत करेगी।

खुद पुलिस को आकाश के घर ले गई

बबीता को सोशल मीडिया पर श्योपुर से जुड़ी एक रील मिली, जिससे बच्ची की पहचान हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी और खुद पुलिस को भोपाल के एयरपोर्ट रोड स्थित आकाश के घर तक लेकर पहुंचीं, जहां से पुलिस ने आकाश और उसकी पत्नी कृतिका को हिरासत में लिया।

पड़ोस में बातचीत तक नहीं करते थे

बबीता ने बताया कि दंपती आस पड़ोस में रहने वालों से बातचीत तक नहीं करते थे। उन्हें भी पड़ोसियों से बातचीत की इजाजत नहीं थी। कई संदिग्ध लोगों का उनके घर आना और जाना था। इसी के साथ मासूम गुड़िया के साथ आकाश और कृतिका का पांच वर्षीय बेटा भी मारपीट करता था।

फिलहाल सुरक्षित है बच्ची: पुलिस ने बच्ची को बाल कल्याण समिति (CWC) के समक्ष पेश किया, जहां से उसे वन स्टॉप सेंटर में रखा गया है। फिलहाल बच्ची सुरक्षित है और उसकी देखभाल की जा रही है।

मानव तस्करी के एंगल पर जांच: पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच मानव तस्करी के एंगल से भी कर रही है। दंपती के पास पहले से दो बच्चे होने के बावजूद इस बच्ची को कहां से और कैसे लाया गया, इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि क्या बच्ची की खरीद-फरोख्त की गई थी। पुलिस का कहना है कि मामले में जल्द ही बड़ा खुलासा हो सकता है।

हाईवे पर मिली थी मासूम

मानपुर थाना प्रभारी सतीश कुमार दुबे के मुताबिक, सोंईकलां के पास एक ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मजदूर ने बच्ची को हाईवे पर अकेले घूमते देखा था। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को सुरक्षित अपने साथ ले गई।

राजस्थान की गर्म हवा ने मप्र में बढ़ाई तपिश

भोपाल, जबलपुर-उज्जैन समेत 11 जिलों में लू का अलर्ट, गर्मी से बचने एडवाइजरी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजस्थान से आ रही गर्म हवा से मध्य प्रदेश में तपिश बढ़ गई है। भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, नर्मदापुरम और सागर संभाग के शहरों में हीट वेव यानी लू जैसे हाल हैं। शुक्रवार को भी 11 जिलों में लू का अलर्ट है। नर्मदापुरम में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, शुक्रवार को जिन शहरों में लू चलने का अलर्ट है, उनमें निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, सिवनी, रतलाम, झाबुआ, धार और अलीराजपुर शामिल हैं।

इससे पहले गुरुवार को प्रदेश में पारा सामान्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा रहा। नर्मदापुरम में तापमान सबसे ज्यादा 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। छतरपुर जिले के खजुराहो में 43.4 डिग्री और नौगांव में 43 डिग्री टेम्प्रेचर दर्ज किया गया। सीधी में 42.6 डिग्री, दतिया, दमोह, सागर-टीकमगढ़ में 42.2 डिग्री, रायसेन-रतलाम में 42 डिग्री, सतना में 41.8 डिग्री, मंडला में 41.6 डिग्री, गुना-रीवा में 41.5 डिग्री, नरसिंहपुर-खरगोन में 41.4 डिग्री, श्योपुर में 41.2 डिग्री, शाजापुर, खंडवा-दतिया में 41.1 डिग्री, उमरिया में 41 डिग्री तापमान रहा। प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो जबलपुर में 41.6 डिग्री, भोपाल में 41 डिग्री, ग्वालियर में 40.8 डिग्री, इंदौर में 40.6 डिग्री और उज्जैन में 40 डिग्री सेल्सियस पारा पहुंच गया।

नर्मदापुरम रात में भी गर्म

भोपाल समेत कई शहरों में रात में तापमान 25 से 27 डिग्री के आसपास ही चल रहा है। नर्मदापुरम में न्यूनतम तापमान 27 डिग्री तक है। यहां आने वाले दिनों में वॉर्म नाइट की स्थिति भी बन सकती है। वॉर्म नाइट मौसम की एक ऐसी स्थिति है, जब रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा होता है। यानी न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री तक अधिक हो। वहीं, दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री या उससे अधिक रहा हो। यदि रात का तापमान सामान्य से 6.4 डिग्री से अधिक बढ़ जाए, तो इसे 'सीवियर वॉर्म नाइट' कहा जाता है। प्रदेश में फिलहाल सीवियर वॉर्म नाइट की स्थिति नहीं है।

अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में पड़ती है तेज गर्मी: मौसम विभाग के अनुसार, जिस तरह दिसंबर-जनवरी में सर्दी और जुलाई-अगस्त में सबसे ज्यादा बारिश होती है, उसी तरह गर्मी के दो प्रमुख महीने अप्रैल और मई हैं। अप्रैल के दूसरे पखवाड़े से तेज गर्मी पड़ती है।

अप्रैल के आखिरी में बारिश के आसार

मौसम विभाग की मानें तो अप्रैल के आखिरी में बारिश के भी आसार हैं। मौसम विभाग ने 27 अप्रैल को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से ऐसा होगा।

गर्मी से बचने इन बातों का रखें खास ध्यान

गर्मी का असर बढ़ते ही मौसम विभाग ने बचाव की एडवायजरी भी जारी की है। लोगों से कहा गया है कि वे दिनभर पर्याप्त पानी पीएं और शरीर को हाइड्रेट रखें। दोपहर के समय लंबे समय तक धूप में न रहें। हल्के वजन और रंग के सूती कपड़े पहनें। बच्चे और बुजुर्ग खासतौर पर ध्यान रखें।

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में

स्किलिंग और वित्तीय समावेशन की केंद्रीय भूमिका होगी : गौतम टेटवाल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

एआई-आधारित कौशल विकास और वित्तीय समावेशन के जरिए भारत को सशक्त और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में ठोस पहल की आवश्यकता पर जोर देते हुए विशेषज्ञों ने कहा कि तकनीक, स्किलिंग और वित्तीय पहुंच का समन्वय ही समावेशी विकास की कुंजी है।

यह विचार भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में आयोजित 5वें समर्थ भारत कॉन्क्लेव 2026 के दूसरे दिन उद्घाटन सत्र में व्यक्त किए गए। 'रीइमेजिनिंग इम्पैक्ट: एआई-ड्रिवन स्किलिंग, फाइनेंशियल इंक्लूजन एवं सोशल एंटरप्राइज फॉर विकसित भारत' थीम पर आयोजित इस कॉन्क्लेव में बैंकिंग, उद्योग और कॉमन सर्विस प्रोवाइडर्स से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि - आदरणीय गौतम टेटवाल, माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कौशल विकास एवं रोजगार, मप्र शासन, श्री संतोष चौबे, चेयरमैन एवं संस्थापक, आईसेक्ट इंडिया, विशिष्ट अतिथि - श्रीमति सी. सरस्वति, चीफ जनरल मैनेजर, नाबार्ड, दीपक कुमार लल्ला, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस, डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कार्यकारी उपाध्यक्ष, आईसेक्ट इंडिया, डॉ. सितेश कुमार सिन्हा, कुलसचिव, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी, अनुराग गुप्ता, डायरेक्टर, आईसेक्ट उपस्थित रहे।

बिजली चोरी के विरुद्ध विद्युत कंपनी की बड़ी स्ट्राइक

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम और राजस्व सुरक्षा हेतु चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत गुरूवार को भोपाल शहर के सिटी कोतवाली ज़ोन में बड़ी कार्यवाही की गई। कंपनी के सतर्कता एवं निरीक्षण दल द्वारा की गई इस कार्यवाही में कुल 11 प्रकरण दर्ज कर 15.58 लाख रुपये का जुर्माना एवं बिलिंग की गई है। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल शहर वृत्त अंतर्गत चेकिंग दल द्वारा सिटी कोतवाली ज़ोन के अंतर्गत इस्लामपुरा क्षेत्र में स्थित आलीशान और बहुमंजिला मकानों की सूक्ष्मता से जांच की गई। निरीक्षण के दौरान बिजली के दुरुपयोग के कई गंभीर मामले उजागर हुए जिनमें एक आवासीय परिसर में बिना अनुमति के अवैध रूप से कोल्ड स्टोरेज का संचालन पाया गया, जहाँ बड़े पैमाने पर बिजली की खपत की जा रही थी। एक अन्य मकान में घरेलू कनेक्शन की आड़ में फर्नीचर बनाने का कारखाना संचालित होता पाया गया तथा एक स्थान पर मुख्य लाइन से सीधे तार डालकर (डायरेक्ट कनेक्शन) ई-व्हीकल चार्ज करते हुए पकड़ा गया है। कंपनी द्वारा इस सघन चेकिंग अभियान के दौरान कुल 11 मामलों में विद्युत अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध करते हुए इन उपभोक्ताओं पर कुल 15.58 लाख रुपये की पेनल्टी और बकाया राशि का निर्धारण किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी और अनधिकृत उपयोग के विरूद्ध कंपनी द्वारा निरंतर अभियान संचालित किया जाएगा। कंपनी समस्त उपभोक्ताओं से आग्रह करती है कि वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। बिजली चोरी न केवल एक दंडनीय अपराध है, बल्कि इससे विद्युत वितरण प्रणाली पर अनावश्यक भार पड़ता है।

आचार्य श्री के गूंजे जयकारे नवनिर्मित छात्रावास का लोकार्पण

गुरु उपकार दिवस के रूप में मनाया मुनि संभव सागर महाराज का दीक्षा दिवस

भोपाल ■ अमृत दर्शन

आचार्य श्री विद्या सागर महाराज आचार्य समय सागर महाराज के शिष्य निर्यापक मुनि श्री संभव सागर महाराज का 28 वा दीक्षा दिवस उपकार दिवस के रूप में मनाया गया समाज के वरिष्ट जनों ओर मुनि श्री के गृहस्थ अवस्था के परिजनों ने आचार्य श्री विद्या सागर महाराज आचार्य श्री समय सागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया, इस अवसर पर नवीन छात्रावास का लोकार्पण डॉ श्रीकान्त आभा जैन परिवार ने किया।

श्री पार्श्वनाथ जिनालय शाहपुरा में भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक शांति धारा के साथ पूजा अर्चना हुई, मंदिर समिति अध्यक्ष दीप जैन सचिव अमित मोदी अन्य पदाधिकारियों ने सभी पुण्यारजक परिवारों का बहुमान किया, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया, दीक्षा दिवस पर अनेक श्रद्धालुओं ने जीवन को संयम मय बनाने के संकल्प भी लिए मुनि श्री संभव सागर महाराज का पिच्छिका परिवर्तन भी हुआ, सभी मुनियों द्वारा नवीन पिच्छिका को भेट की,पुरानी पिच्छिका व्रत संयमलेने वाले श्रावक को मिली नवीन पिच्छिका मुनि श्री को ब्रह्मचारी भैया बहनों एवं त्यागी व्रती जनो ने दी, अनेक लोगों ने आचार्य श्री के कृतित्व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला, मुनि संभव सागर महाराज ने कहा वस्त्रों को उतरना ही दीक्षा नहीं हे, बल्कि अपने अंदर का राग द्वेष मान कषाय आदि को पूरी तरह दूर करना दीक्षा हे, दिगंबर अर्थात आसमान जिसका ओढ़ने का ओर धरती बिछौना हे, संचालन अविनाश भैया ने किया अंशुल जैन ने बताया दीक्षा दिवस के साक्षी बनने प्रदेश के विभिन्न शहरों के साथ अनेक जगह से श्रद्धालु आए।

इस अवसर पर पूर्व आई पी एस ऋषभ दिवाकर डिप्टी कलेक्टर सुधीर जैन ए आई जी मलय जैन रिटायर आई एफएस अतुल जैन शाहपुरा मंदिर समिति के अध्यक्ष दीप जैन अमित मोदी जयदीप दिवाकर चक्रेश शास्त्री संजय जैन मनोज जैन कार्यकारणी सदस्य सुबोधजैन मुकेश जैन पुष्पेंद्र जैन होशांग बजाज महिला मंडल की संध्या जैन मनीषा जैन संगीता मोदी आशा जैन आशु जैन श्वेत जैन सहित विभिन्न मंदिर समितियां संगठनी के पदाधिकारी समाजजन मौजूद थे ।

शासकीय कार्य में बाधा और बिजली अमले से अभद्रता करने वालों पर एफआईआर दर्ज

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भोपाल शहर वृत्त अंतर्गत शहर संभाग दक्षिण के जहांगीराबाद जोन में कंपनी के सतर्कता एवं निरीक्षण दल के साथ अभद्र व्यवहार करने, गाली-गलौज करने और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले आरोपियों के विरुद्ध थाना जहांगीराबाद में प्रथम सूचना रिपोर्ट (स्नइक्र) दर्ज कराई गई है । गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के जहांगीराबाद जोन सहायक यंत्री श्री जगदीश लोधी द्वारा 21 अप्रैल 2026 को कंपनी के निरीक्षण दल सहित जहांगीराबाद जोन के अंतर्गत 12, गली बांस बहेरा, पातरा स्थित बिजली उपभोक्ता श्रीमती शहजाद खान पत्नी श्री शोएब खान के परिसर का निरीक्षण किया जा रहा था । निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उपभोक्ता श्रीमती शहजाद खान के परिसर में 1.5 किलोवाट स्वीकृत भार के विरुद्ध 7.036 किलोवाट का भार गैर-घरेलू उपयोग (लकड़ी कारखाना) हेतु संचालित किया जा रहा है। चेकिंग दल द्वारा नियमानुसार विद्युत अधिनियम 2003 एवं विद्युत प्रदाय संहिता की धाराओं में विधिवत निकार्रवाई करते हुए मीटर जब्त किया गया ।

भोपाल में धूमधाम और उत्साह से मनाया गया भगवान चित्रगुप्त जी का प्रकटोत्सव

भोपाल ■ अमृत दर्शन

वैशाख शुक्ल गंगा सप्तमी के पावन अवसर पर राजधानी भोपाल में चित्रांश समाज के आराध्यदेव भगवान चित्रगुप्त जी का प्रकटोत्सव अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। यह भव्य आयोजन अखिल भारतीय कायस्थ महासभा एवं समस्त कायस्थ संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

प्रात:काल से ही समाज के श्रद्धालु अपने-अपने घरों में पूजा-अर्चना कर बढ़नेवरी, होशंगाबाद रोड, 1100 क्वार्टर्स, कोटरा, भेल, भवानी धाम, कमाली मंदिर और प्रोफेसर कॉलोनी सहित विभिन्न क्षेत्रों से निकलकर जवाहर चौक स्थित चित्रगुप्त मंदिर पहुंचे। यहां सामूहिक हवन, कलम-दवात पूजन एवं आरती के साथ आध्यात्मिक वातावरण का सृजन हुआ।

इसके पश्चात भव्य मंच से मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने शोभायात्रा को ध्वज दिखाकर रवाना किया।

शोभायात्रा में घोड़े-बग्गी, आकर्षक बैंड-बाजे, उज्जैन का डमरू दल, भजन-कीर्तन की टोलियां एवं मनमोहक आतिशबाजी ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। मार्ग के दोनों ओर चित्रांश समाज के महापुरुषों एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। जगह-जगह पुष्पवर्षा से यात्रा का स्वागत किया गया, जिससे पूरा वातावरण श्रद्धा और उल्लास से सराबोर हो उठा।

सीएम सचिवालय में अफसरों के काम का नया बंटवारा

सिंहस्थ से राजनीतिक नियुक्तियों तक तय हुई जिम्मेदारियां

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीएम सचिवालय में अधिकारियों के बीच जिम्मेदारियों का नया बंटवारा किया है। नई व्यवस्था में सिंहस्थ, राजनीतिक नियुक्तियां, केंद्र समन्वय और मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जैसे अहम कार्य अलग-अलग अफसरों को सौंपे गए हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मुख्यमंत्री सचिवालय में अधिकारियों के बीच कामकाज का नया बंटवारा किया। नई व्यवस्था के तहत अलग-अलग अधिकारियों को महत्वपूर्ण विभागों और कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि सचिवालय का काम अधिक सुचारु रूप से चल सके। अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई को समन्वय से जुड़े मामलों, ट्रांसफर संबंधी फाइलों, सिंहस्थ से जुड़ी ए-प्लस नोटशीट और मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही इंदौर और उज्जैन संभाग से जुड़े मामलों की निगरानी भी वे करेंगे।

सचिव आलोक कुमार सिंह को सरकारी और गैर-सरकारी नियुक्तियों, सांसदों और विधायकों से जुड़े कार्यों के साथ कृषि विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भोपाल, नर्मदापुरम और सागर संभाग से जुड़े मामलों को भी वे देखेंगे। सचिव टी. इल्याराजा को केंद्र सरकार और दिल्ली से जुड़े मामलों के समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। वे केंद्र के साथ तालमेल और लंबित विषयों पर काम करेंगे। हाल ही में मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थ किए गए कौशलेंद्र विक्रम सिंह को विभिन्न विभागों से जुड़ी संवेदनशील जानकारियों की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा वे सीएम कार्यालय की विजिलेंस शाखा, सरकार के संकल्प पत्र की मॉनिटरिंग, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, विधायक डैशबोर्ड और आईटी सेल की देखरेख करेंगे।

भोपाल मंडल रेल चिकित्सालय में '8वां पोषण पखवाड़ा' सफलतापूर्वक संपन्न

भोपाल ■ अमृत दर्शन

'8वां पोषण पखवाड़ा' के अंतर्गत दिनांक 09 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक मंडल रेल चिकित्सालय, पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल में विभिन्न जागरूकता एवं जनहितकारी गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, भोपाल श्री अजय डोगरा के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

इस दौरान गर्भवती महिलाओं के मध्य पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने हेतु विशेष चर्चा सत्र आयोजित किए गए, जिनमें संतुलित आहार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा शीघ्र स्तनपान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, बच्चों में स्क्रीन टाइम को कम करने के उद्देश्य से अभिभावकों को व्यावहारिक सुझाव प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के अंतर्गत रेल लाभार्थियों के बीच जागरूकता बढ़ाने हेतु पेम्फलेट का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त, बच्चों में स्क्रीन के विकल्प के रूप में खेल-कूद को बढ़ावा देने हेतु पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित की गई तथा ओपीडी परिसर में बच्चों के लिए पारंपरिक खेल 'लंगड़ी' जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को सक्रिय एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा समाज में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित । फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।